सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 29, नई दिल्ली । गुरुवार, 11 अप्रैल 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

हमारी समस्याओं का समाधान तो केवल हमारे पास ही है दूसरों के पास तो केवल सुझाव है।

03 'राजकुमार आनंद को बहुत डराया गया, हमें उनसे सहानुभूति है...'
06 कानूनी सख्ती के बावजूद क्यों पनप रही है बाल-तस्करी
08 ओडिशा में डबल इंजन सरकार होगा :- देबाशीष नायक

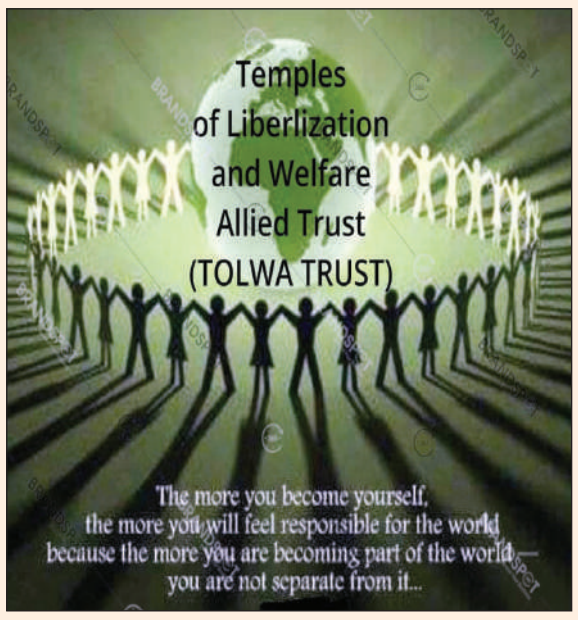

परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार दिल्ली एनसीआर में सड़क सुरक्षा, महिला सुरक्षा, जाम मुक्त सड़के, प्रदुषण मुक्त क्षेत्र और आपदा में सहायता देने वाले योद्धाओं के अपनी संकल्प के प्रति अब ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एंड लेबर वेलफेयर एसोसिएशन (पंजीकृत), राष्ट्रीय ट्रक आपरेटर वेलफेयर एसोसिएशन (पंजीकृत), ओमनी फाउंडेशन (पंजीकृत), टेंपल्स ऑफ़ लिब्रलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत), इंटरनेशनल फेडरेशन आफ इलेक्ट्रिक व्हीकल एसोसिएशन, लाइफ सेवर फाउंडेशन, सेंट जान एंबुलेंस (इंडिया) ब्रिगेड विंग दिल्ली, युथ बेस डेवलपमेंट सोसाइटी के साथ मिलकर कर रहा है कार्य, आप भी अगर दिल्ली एनसीआर क्षेत्र या भारत देश में महिला सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, जाम मुक्त सड़के, प्रदुषण मुक्त क्षेत्र और आपदा में सहायता देने वाले योद्धाओं के प्रति जागरूक है तो आप को भी परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र से जुड़ कर जनहित में आगे आए।

-मुख्य सम्पादक

दिल्ली एनसीआर में निजी नम्बर वाहनों द्वारा हो रही व्यवसायिक गतिविधियां जनता के लिए कितनी सुरक्षित?

संजय बाटला

नई दिल्ली। आप सभी सड़को पर ऐसे वाहनों को जो निजी नम्बर के है पर सवारी और स्कूल बच्चो को बैठाते और उतारते अवश्य प्रतिदिन हर मुख्य सड़को, स्कूलों और चौराहों पर देखते होंगे। आप अपनी राय बताए यह सुरक्षा की दृष्टि से कितने सही है ? *आखिर क्यों यातायात पुलिस और परिवहन विभाग की प्रवर्तन शाखा के अधिकारी/कर्मचारी भी इन पर लगाम नहीं लगाते ? आप द्वारा दी गई राय / विचार जन सुरक्षा में बहुत महतवपूर्ण है अतः अपनी राय अवश्य व्यक्त करे।

क्या आप जानते हैं निजी नम्बर के वाहनों से व्यवसायिक गतिविधि करने वाले वाहनों का पंजीकरण रद्द करने का मोटर वाहन में नियम है इसके बावजूद

1. निजी नम्बर के वाहनों को दिल्ली एनसीआर में बेखौफ व्यवसायिक गतिविधियों में लिप्त देखा जा रहा है, आखिर कौन है आपकी रॉय में इसके लिए जिम्मेदार ?
2. जन सुरक्षा को दरकिनार कर ऐसे वाहनों को सड़को पर व्यवसायिक गतिविधि करते देख कर भी आंखे बंद करने वालो के खिलाफ क्या कार्यवाही होनी चाहिए, अपनी रॉय बताए।

सड़क सुरक्षा सर्वेक्षण में गलत तरीके से वाहन चलाने को ट्रैफिक जाम का प्राथमिक कारण

हाल ही में मेवला महाराजपुर के हलचल भरे इलाके में किए गए सड़क सुरक्षा सर्वेक्षण में, चिंताजनक निष्कर्षों ने चरम कार्यालय समय के दौरान यातायात भीड़ के प्राथमिक कारण पर प्रकाश डाला है। एक समर्पित टीम द्वारा किए गए सर्वेक्षण से पता चला कि गलत तरीके से गाड़ी चलाने से मेवला महाराजपुर अंडरपास जाम हो जाता है, जिससे यातायात का सुचारू प्रवाह बाधित होता है।

बड़ी संख्या में वाहनों के गलत दिशा में चलने के कारण मेवला महाराजपुर अंडरपास ट्रैफिक जाम का हॉटस्पॉट बन गया है। यह लापरवाह व्यवहार न केवल यात्रियों को खतरे में डालता है, बल्कि भीड़भाड़ की समस्या को भी बढ़ाता है, जिससे अंडरपास के भीतर एक अड़चन की स्थिति पैदा हो जाती है।

इस गंभीर चिंता को दूर करने के लिए, सर्वेक्षण टीम ने एक व्यावहारिक समाधान प्रस्तावित किया है। यह सुबह 8 बजे से 11:00 बजे तक और शाम को 5 से 9:00 बजे तक महत्वपूर्ण घंटों के दौरान यातायात अधिकारियों की तैनाती की सिफारिश करता है। ये अधिकारी सक्रिय रूप से गलत तरीके से ड्राइविंग की निगरानी करेंगे और उसे रोकेंगे, यह सुनिश्चित करेंगे कि वाहन निर्दिष्ट यातायात मार्गों का पालन करें। ऐसे उपायों को लागू करके, यातायात के प्रवाह को कुशलतापूर्वक नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे व्यस्ततम आवागमन के घंटों के दौरान भीड़भाड़ की समस्या को कम किया जा सकता है।

इसके अलावा, सर्वेक्षण में पाली चौक पर भी इसी तरह की चुनौतियों की पहचान की गई, जहां अपर्याप्त प्रवर्तन के कारण गलत दिशा में चलने वाले वाहनों की आमद हुई, जिसके परिणामस्वरूप क्रॉसिंग पर जाम लग गया। गलत तरीके से गाड़ी चलाने पर अंकुश लगाने और यातायात की भीड़ को कम करने के उद्देश्य से एक व्यापक कार्य योजना तैयार करने के लिए यातायात अधिकारियों और हितधारकों का तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है। गलत तरीके से गाड़ी चलाने के निहितार्थ केवल असुविधा से परे हैं, सार्वजनिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करते हैं और यातायात से संबंधित खतरों को बढ़ाते हैं। इसलिए, इस मुद्दे को तुरंत और प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। सड़क सुरक्षा सर्वेक्षण गलत तरीके से ड्राइविंग से निपटने और मेवला महाराजपुर और पाली चौक जैसे प्रमुख क्षेत्रों में यातायात की भीड़ को कम करने के लिए लक्षित हस्तक्षेप की महत्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित करता है। यातायात अधिकारियों, हितधारकों और समुदाय के बीच सहयोगात्मक पहल के माध्यम से, एक सुरक्षित और अधिक कुशल सड़क नेटवर्क स्थापित किया जा सकता है, जिससे सभी के लिए सुगम आवागमन सुनिश्चित हो सके।

गलत दिशा में यातायात सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है

गलत दिशा में जाने वाला यातायात सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर ख़तरा है, जिसके विभिन्न हानिकारक परिणाम सामने आते हैं। सबसे पहले, यह आमने-सामने की टक्करों के जोखिम को काफी बढ़ा देता है, जो अक्सर विनाशकारी होते हैं और परिणामस्वरूप गंभीर चोटें या मृत्यु होती है।

इसके अतिरिक्त, गलत तरीके से गाड़ी चलाने से यातायात का प्रवाह बाधित होता है, जिससे यात्रियों में भीड़भाड़, देरी और निराशा होती है। यह न केवल कुशल गतिशीलता को बाधित करता है, बल्कि चौंका देने वाले ड्राइवरों द्वारा अचानक रुकने या अनियमित चाल के कारण पीछे की ओर टकराव और अन्य दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है।

इसके अलावा, गलत तरीके से गाड़ी चलाने से यातायात नियंत्रण उपायों और साइनेज की प्रभावशीलता कम हो जाती है, जिससे सड़क सुरक्षा प्रोटोकॉल में जनता का विश्वास कम हो जाता है। इसके अलावा, यह कानून प्रवर्तन संसाधनों पर अनुचित दबाव डालता है क्योंकि अधिकारी उल्लंघनों को संबोधित करने और संबंधित जोखिमों को कम करने का प्रयास करते हैं। इस महत्वपूर्ण मुद्दे को हल करने के लिए ठोस प्रयासों की आवश्यकता है, जिसमें मजबूत प्रवर्तन उपाय, जन जागरूकता अभियान, बेहतर साइनेज और सड़क चिह्न, और गलत तरीके से ड्राइविंग की घटनाओं को रोकने और रोकने के लिए उन्नत बुनियादी ढांचे के डिजाइन शामिल हैं। सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देकर और व्यापक रणनीतियों को अपनाकर, समुदाय गलत तरीके से यातायात से उत्पन्न खतरों को कम कर सकते हैं और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं की भलाई की रक्षा कर सकते हैं।

डॉ. अंकुर शरण
नेशनल चीफ प्लानिंग एंड ट्रांसपोर्ट ऑफिसर
रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.)

सड़क पर घूमने वाले जानवरों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं का समाधान...

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद। 10 अप्रैल को फ़रीदाबाद से गुरुग्राम अरावली रेंज रोड पर हुई घटना सड़क सुरक्षा से संबंधित एक गंभीर मुद्दे पर प्रकाश डालती है - सड़कों पर जंगली जानवरों और मवेशियों की उपस्थिति जो घातक दुर्घटनाओं का कारण बनती है। इस रिपोर्ट का उद्देश्य घटना का समाधान करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं को कम करने के लिए निवारक उपायों का प्रस्ताव करना है।

घटना का विवरण: उपरोक्त दिनांक को, फ़रीदाबाद से गुरूग्राम अरावली रेंज रोड पर एक जंगली गाय दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुखद बात यह है कि पता चला कि गाय गर्भवती थी और प्राथमिक उपचार मिलने में देरी के कारण उसकी मौत हो गई। दुर्घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने लगभग एक घंटे तक इंतजार करके और संबंधित वन विभाग के अधिकारियों से संपर्क करके मदद मांगने का प्रयास किया। हालाँकि, कोई सहायता प्रदान नहीं की गई, जिससे स्थिति बिगड़ गई और गाय की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो गई।

समस्या का विश्लेषण: यह घटना सड़कों पर, विशेषकर फ़रीदाबाद से गुरुग्राम मार्ग जैसे क्षेत्रों में, जंगली जानवरों और मवेशियों की उपस्थिति से उत्पन्न अंतर्निहित खतरों को रेखांकित करती है। ऐसी घटनाएं न केवल जानवरों के जीवन को खतरे में डालती हैं, बल्कि मोटर चालकों और यात्रियों के लिए भी महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करती हैं, जिससे दुर्घटनाएं होती हैं और लोगों की जान चली जाती है।

प्रस्तावित समाधान: तत्काल प्रतिक्रिया तंत्र: सड़कों पर जानवरों से जुड़ी दुर्घटनाओं के मामलों में समय पर सहायता प्रदान करने के लिए वन विभाग के अधिकारियों, पशुनियंत्रण इकाइयों और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं जैसे संबंधित अधिकारियों को शामिल करते हुए एक त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली की स्थापना करना।

जन जागरूकता अभियान: मोटर चालकों और स्थानीय समुदायों को सड़कों पर जानवरों की उपस्थिति से जुड़े जोखिमों और ऐसी घटनाओं की तुरंत रिपोर्ट करने के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान शुरू करना।

बुनियादी ढांचे का विकास: जानवरों को सड़कों पर भटकने से रोकने और ड्राइवरों को सावधानी बरतने के लिए सचेत करने के लिए रणनीतिक स्थानों पर बाड़ लगाना, साइनेज और स्पीड बम्प जैसे उपायों को लागू करना।

सहयोगात्मक प्रयास: साझा आवासों में मनुष्यों और वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व के लिए स्थायी समाधान विकसित करने के लिए सरकारी एजेंसियों, वन्यजीव संरक्षण संगठनों और स्थानीय समुदायों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना।

विधायी उपाय: सड़क सुरक्षा और पशु संरक्षण से संबंधित मौजूदा कानूनों और विनियमों को लागू करना, और सड़कों पर जानवरों को नुकसान पहुंचाने वाली लापरवाही के लिए सख्त दंड की वकालत करना।

फ़रीदाबाद से गुरुग्राम अरावली रेंज रोड पर हुई घटना सड़कों पर जंगली जानवरों और मवेशियों की उपस्थिति से उत्पन्न होने वाली सड़क सुरक्षा चिंताओं को दूर करने की तत्काल आवश्यकता की याद दिलाती है। तत्काल प्रतिक्रिया तंत्र, जन जागरूकता अभियान, बुनियादी ढांचे के विकास, सहयोगात्मक प्रयासों और विधायी उपायों के संयोजन को लागू करके, हम ऐसी दुखद घटनाओं को रोकने और हमारी सड़कों पर मनुष्यों और जानवरों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर सकते हैं।

डॉ. अंकुर शरण
नेशनल चीफ प्लानिंग एंड ट्रांसपोर्ट ऑफिसर
रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.)

उत्तराखंड सरकार द्वारा जारी प्रेस वार्ता में दावा किया गया है कि इस पहल के माध्यम से राज्य के दूर-दराज के इलाकों में भी पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा

उत्तराखंड में शुरू हुई आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन के लिए हेलीकॉप्टर सेवा

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तराखंड में आदि कैलाश और ओम्पर्वत की चोटियों के दर्शन के लिए नयी हेलीकॉप्टर सेवा को शुरू की गयी है। मिली जानकारी के अनुसार 1 अप्रैल (सोमवार) को 16 पर्यटकों के समुह को लेकर हेलीकॉप्टर ने अपनी पहली ट्रिप पूरी की। उत्तराखंड सरकार द्वारा जारी प्रेस वार्ता में दावा किया गया है कि इस पहल के माध्यम से राज्य के दूर-दराज के इलाकों में भी पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। ओम पर्वत और आदि कैलाश की चोटियों के दर्शन के लिए हेलीकॉप्टर की पहली ट्रिप में जो 16 पर्यटक शामिल थे उनमें दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात और ओडिशा राज्यों से लोग थे। उत्तराखंड सरकार के साथ मिलकर इस ट्रिप को करवाने वाली Trip to Temples के आधिकारिक वेबसाइट से मिली जानकारी के अनुसार 2 दिनों के इस ट्रिप में आदि कैलाश और ओम्पर्वत का एरियल व्यू दिखाया जाएगा। पर्यटकों को MI17 हेलीकॉप्टर से ले जाकर दोनों पवित्र पर्वतों के दर्शन करवाएं जाएंगे।

क्या-क्या होगा ट्रिप में शामिल :- इस ट्रिप के पहले दिन पिथौरागढ़ के होटल में चेक-इन के बाद पूरा दिन का आराम दिया जाएगा, ताकि पर्यटकों का शरीर अगले दिन की उड़ान के लिए पूरी तरह से तैयार हो सकें। रात को डिनर और रुकना भी पिथौरागढ़ के होटल में ही है। ट्रिप के दूसरे दिन ब्रेकफास्ट के बाद पिथौरागढ़ हेलीपैड पर ले जाया जाएगा, जहां पहले से ही हेलीकॉप्टर यात्रियों का इंतजार कर रहा होगा। हेलीकॉप्टर की यह उड़ान लगभग 2 घंटे 15 मिनट की होगी, जिसमें आदि कैलाश पर्वत के दर्शन, व्यास घाटी के शानदार नजारे और आखिर में ओम्पर्वत का बेहद से दर्शन करवाया जाएगा। इसके बाद हेलीकॉप्टर यात्रियों को वापस पिथौरागढ़ लेकर आएगा जिसके बाद यात्री अपने-अपने घरों की ओर लौट सकते हैं। हेलीकॉप्टर से आदि कैलाश और ओम्पर्वत के दर्शन करने का सबसे बड़ा फायदा है उन यात्रियों को है जिन्हें पहाड़ी घुमावदार रास्तों पर मोशन सिकनेस या फिर माईग्रेन जैसी समस्याएं होती हैं। इसके साथ ही हेलीकॉप्टर से यह ट्रिप पूरी होने की वजह से पहाड़ों पर लैंडस्लाइडिंग का भी असर ट्रिप पर नहीं पड़ेगा।

कैसे करें बुकिंग और कितना है किराया उत्तराखंड सरकार इस हेलीकॉप्टर सेवा को Trip to Temples के साथ मिलकर संचालित कर रही है। एक ट्रिप में 16 यात्री जा सकेंगे। इस ट्रिप की बुकिंग के लिए आपको Trip to Temples के आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। आदि कैलाश और ओम्पर्वत के दर्शन के लिए हर हेलीकॉप्टर ट्रिप का प्रति व्यक्ति किराया 40,000 है। यात्रियों के लिए EMI की सुविधा भी उपलब्ध है। इसके अलावा Trip to Temples कई और तरह की हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध करवाता है जिनमें कैलाश मानसरोवर हेलीकॉप्टर यात्रा भी शामिल है। इन सबके बारे में जानकारी आपको इनके आधिकारिक वेबसाइट पर मिल जाएगी।

टैक्सियों में A/C को लेकर कैब एग्रीगेटर कंपनियों,जनता और ड्राइवर में छिड़ी महाभारत

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। जैसे ही गर्मी शुरू होती है तो टैक्सी में ऐसी की डिमांड बढ़ने लगती है जहां पर लगातार सीएनजी की कीमत पिछले कई सालों में बड़ी है और कंपनियां अपनी सवारी को टैक्सियों में ऐसी ऑफर करती हैं लेकिन वही कैब एग्रीगेटर कंपनियों ने पिछले कई सालों से लगातार ड्राइवरों को दिया जाने वाला किराया लगातार कम किया है और वही ड्राइवरों पर चार्ज किए जाने वाला अपना कमीशन 20% से 40% कर दिया है।

कैब ड्राइवरों का कहना है की गर्मी की वजह से उनकी गाड़ी की जो लागत पर किलोमीटर है वह 8 से 12 रुपए आती है जबकि कंपनियां सवारी से तो 16 से 23 रुपए तक पर किलोमीटर चार्ज करती हैं लेकिन अपना कमीशन काटकर 8 से 12 रुपए ही किराया देती है जिसकी वजह से ड्राइवरों ने अब डायरेक्ट सवारियों से रिक्वेस्ट करनी शुरू कर दी है कि वह उन्हें पर एक किलोमीटर के पांच रुपए अलग से दें।

मां चंद्रघंटा के लिए समर्पित है नवरात्र की तीसरा दिन, जानिए पूजा विधि, मंत्र और भोग

साल 2024 में चैत्र नवरात्र की शुरुआत 09 अप्रैल मंगलवार के दिन से हो चुकी है। माना गया है कि यदि नवरात्र में सच्चे मन से माता रानी की आराधना की जाए तो इससे जीवन में विशेष लाभ देखने को मिल सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि मां दुर्गा के स्वरूप माने गए माता चंद्रघंटा को किस प्रकार प्रसन्न किया जा सकता है।

नई दिल्ली। चैत्र नवरात्र की नौ दिनों की अवधि में मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसा माना जाता है कि चैत्र माह की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर ही आदिशक्ति अपने नौ रूपों में प्रकट हुई थीं। ऐसे में नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा का विधान है। आइए पढ़ते हैं माता चंद्रघंटा की पूजा विधि, मंत्र और भोग

ऐसे करें पूजा (Navratri puja vidhi)

नवरात्र के तीसरे दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद मंदिर में एक चौकी पर माता चंद्रघंटा की तस्वीर या प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद माता को सिंदूर, अक्षत, गंध, धूप, पुष्प आदि अर्पित करें। साथ ही मां को दूध से बनी हुई मिठाई या फिर खीर का भोग लगाएं। पूजा के दौरान माता के मंत्रों का जाप व दुर्गा चालीसा का पाठ करें। इसके साथ ही मां की आरती करें और सभी लोगों में प्रसाद वितरित करें।

करें इन मंत्रों का जाप

ॐ देवी चंद्रघंटायै नमः

प्रार्थना मंत्र -

पिण्डज प्रवरारूढा
चण्डकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यम्-चन्द्रघण्टेति विश्रुता॥

मिलते हैं ये लाभ

धार्मिक मान्यता के अनुसार, माता चंद्रघंटा संसार में न्याय व अनुशासन स्थापित करने का काम करती हैं। इस स्वरूप में माता के मस्तक पर अर्धचंद्र सजा हुआ है, इसलिए इन्हें चंद्रघंटा कहा जाता है। माना जाता है कि मां चंद्रघंटा की पूजा करने से भक्तों की सभी इच्छाएं पूरी होती हैं।

इसके साथ ही मां चंद्रघंटा की कृपा से ऐश्वर्य और समृद्धि के साथ सुखी दाम्पत्य जीवन की भी प्राप्ति होती है। जिस भी जातक के विवाह में दिक्कतें आ रही हैं, उसे माता चंद्रघंटा की पूजा अवश्यक करनी चाहिए। इससे आपके विवाह में आ रही बाधाएं दूर होती हैं।

भाव नहीं देने वालों के पीछे क्यों भागते हैं हम? जानें ऐसे आकर्षण की क्या है वजह?

यह जानने के बावजूद कि सामने वाला व्यक्ति हमें वह भावनात्मक जुड़ाव नहीं दे पाएंगे जो हम चाहते हैं, फिर भी हम उनके प्रति आकर्षित क्यों महसूस करते हैं? चलिए मानवीय भावनाओं और रिश्तों की जटिलताओं में गहराई से उतरते हैं और पता लगाते हैं कि हम उन लोगों की ओर क्यों आकर्षित होते हैं, जो भाव नहीं देने वाले और अनुपलब्ध लगते हैं।

क्या आपने कभी सोचा है कि हम उन लोगों की ओर क्यों आकर्षित होते हैं, जो हमें भाव भी नहीं देते हैं? हमें पता होता है कि वो हमारे नहीं हो सकते हैं, लेकिन बावजूद इसके हम अपनी दिल की बात उन्हें बताने के बहाने ढूंढ़ते रहते हैं। हम उनका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने से खुद को रोक नहीं पाते हैं। हमारे दिमाग में ख्याली पुलाव पकने लगते हैं। हम धीरे-धीरे कर उस व्यक्ति को अपनी दुनिया बना लेते हैं और फिर जागते-सोते उसी के बारे में सोचते हैं। लेकिन क्यों? यह जानने के बावजूद कि सामने वाला व्यक्ति हमें वह भावनात्मक जुड़ाव नहीं दे पाएंगे जो हम चाहते हैं, फिर भी हम उनके प्रति आकर्षित क्यों महसूस करते हैं? चलिए मानवीय भावनाओं और रिश्तों की जटिलताओं में गहराई से उतरते हैं और पता लगाते हैं कि हम उन लोगों की ओर क्यों आकर्षित होते हैं, जो दूर, भाव नहीं देने वाले और अनुपलब्ध लगते हैं।

बड़े होते समय आपकी देखभाल करने वालों में से एक (या अधिक) आपके लिए अनुपलब्ध था- एक ही प्रकार के साथी की ओर आकर्षित होना आम बात है क्योंकि यह परिचित लगता है। हम अक्सर उसी गतिशीलता को दोहराकर अतीत में जो हुआ उसे ठीक करने का प्रयास करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि जब हम साथी को स्बदलेंगेस, तो ही हम प्यार के योग्य होंगे।

आपको विश्वास नहीं है कि आप किसी और चीज़ के लायक हैं- आपका आत्म-मूल्य और आत्म-सम्मान कम है, और अनजाने में आप मानते हैं कि आप प्यार और अन्य किसी चीज़ के लायक नहीं हैं। आपका एक हिस्सा भी अनुपलब्ध है- आप सचेत रूप से प्रतिबद्धता चाहते हैं, लेकिन अनजाने में, आप सच्ची प्रतिबद्धता, अंतरंगता, खुद को खोने, या चोट लगने से डरते हैं। आपके लिए एक अनुपलब्ध साथी के साथ रहना अधिक सुरक्षित महसूस हो सकता है क्योंकि आपको पूरी तरह से प्रतिबद्ध होने की ज़रूरत नहीं है।

विनायक चतुर्थी पर इस चालीसा का करें पाठ, सुख और समृद्धि में होगी अपार वृद्धि

विनायक चतुर्थी का पर्व गणपति बप्पा को समर्पित है। हर माह में चतुर्थी का पर्व 2 बार आता है। इस बार विनायक चतुर्थी (Vinayak Chaturthi 2024) का पर्व 12 अप्रैल को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से साधक के जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख-संकट से मुक्ति मिलती है और सुख और समृद्धि में वृद्धि होती है।

हर महीने में 2 बार चतुर्थी का पर्व मनाया जाता है। चतुर्थी तिथि भगवान शिव के पुत्र गणपति बप्पा को समर्पित है। इस बार चैत्र माह में विनायक चतुर्थी 12 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस खास अवसर पर भगवान गणेश जी की विधिपूर्वक पूजा और व्रत करने विधान है। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से साधक के जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख-संकट से मुक्ति मिलती है और सुख और समृद्धि में वृद्धि होती है।

अगर आप भी गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं, तो विनायक चतुर्थी के दिन सुबह स्नान कर साफ वस्त्र धारण करें और भगवान गणेश जी की विशेष पूजा करें। इसके पश्चात गणेश चालीसा का पाठ करें। माना जाता है कि चतुर्थी तिथि पर सच्चे मन से गणेश चालीसा का पाठ करने से भगवान गणेश जी प्रसन्न होते हैं और शुभ फल की प्राप्ति होती है। चलिए यहां पढ़ते हैं गणेश चालीसा का पाठ।

गणेश चालीसा (Ganesh Chalisa Lyrics)

दोहा

जय गणपति सदगुणसदन, कविवर बदन कृपाल।
विघ्न हरण मंगल करण, जय जय गिरिजालाल॥

चौपाई

जय जय जय गणपति गणराजू।
मंगल भरण करण शुभ काजू॥
जय गजबदन सदन सुखदाता।
विश्व विनायक बुद्धि विधाता॥
वक्र तुण्ड शुचि शुण्ड सुहावन।
तिलक त्रिपुण्ड भाल मन भावन॥
राजत मणि मुक्तन उर माला।
स्वर्ण मुकुट शिर नयन विशाला॥
पुस्तक पाणि कुठार त्रिशूलं।
मोदक भोग सुगन्धित फूलं॥
सुन्दर पीताम्बर तन साजित।
चरण पादुका मुनि मन राजित॥
धनि शिवसुवन षडानन भ्राता।
गौरी ललन विश्व-विख्याता॥
ऋद्धि-सिद्धि तव चंवर सुधारे।
मूषक वाहन सोहत द्वारे॥
कहौ जन्म शुभ-कथा तुम्हारी।
अति शुचि पावन मंगलकारी॥
एक समय गिरिराज कुमारी।
पुत्र हेतु तप कीन्हो भारी॥
भयो यज्ञ जब पूर्ण अनूपा।
तब पहुंच्यो तुम धरि द्विज रुपा॥
अतिथि जानि कै गौरि सुखारी।
बहुविधि सेवा करी तुम्हारी॥
अति प्रसन्न है तुम वर दीन्हा।
मातु पुत्र हित जो तप कीन्हा॥
मिलहि पुत्र तुहि, बुद्धि विशाला।
बिना गर्भ धारण, यहि काला॥
गणनायक, गुण ज्ञान निधाना।
पूजित प्रथम, रुप भगवाना॥
अस कहि अन्तर्धान रुप है।
पलना पर बालक स्वरुप है॥
बनि शिशु, रुदन जबहिं तुम ठाना।
लखि मुख सुख नहिं गौरि समाना॥
सकल मगन, सुखमंगल गावहिं।
नभ ते सुरन, सुमन वर्षावहिं॥
शम्भु, उमा, बहु दान लुटावहिं।
सुर मुनिजन, सुत देखन आवहिं॥
लखि अति आनन्द मंगल साजा।
देखन भी आये शनि राजा॥
निज अवगुण गुनि शनि मन माहीं।
बालक, देखन चाहत नाहीं॥
गिरिजा कछु मन भेद बढ़ायो।
उत्सव मोर, न शनि तुहि भायो॥
कहन लगे शनि, मन सकुचाई।
का करिहौ, शिशु मोहि दिखाई॥
नहिं विश्वास, उमा उर भयऊ।
शनि सों बालक देखन कहाऊ॥
पडतहिं, शनि दृग कोण प्रकाशा।
बोलक सिर उड़ि गयो अकाशा॥
गिरिजा गिरीं विकल हुए धरणी।
सो दुख दशा गयो नहीं वरणी॥
हाहाकार मच्यो कैलाशा।
शनि कीन्हो लखि सुत को नाशा॥
तुरत गरुड़ चढ़ि विष्णु सिधायो।
काटि चक्र सो गज शिर लाये॥
बालक के धड़ ऊपर धारयो।
प्राण, मंत्र पढ़ि शंकर डारयो॥
नाम गणेश शम्भु तब कीन्हे।
प्रथम पूज्य बुद्धि निधि, वन दीन्हे॥
बुद्धि परीक्षा जब शिव कीन्हा।
पृथ्वी कर प्रदक्षिणा लीन्हा॥
चले षडानन, भरमि भुलाई।
रचे बैठ तुम बुद्धि उपाई॥
धनि गणेश कहि शिव हिय हरषे।
नभ ते सुरन सुमन बहु बरसे॥
चरण मातु-पितु के धर लीन्हें।
तिनके सात प्रदक्षिण कीन्हें॥
तुम्हरी महिमा बुद्धि बड़ाई।
शेष सहसमुख सके न गाई॥
मैं मतिहीन मलीन दुखारी।
करहुं कौन विधि विनय तुम्हारी॥
भजत रामसुन्दर प्रभुदासा।
जग प्रयाग, ककरा, दुर्वासा॥
अब प्रभु दया दीन पर कीजै।
अपनी भक्ति शक्ति कछु दीजै॥
श्री गणेश यह चालीसा।
पाठ करै कर ध्यान॥
नित नव मंगल गृह बसै।
लहे जगत सन्मान॥

दोहा

सम्वत अपन सहस्त्र दश, ऋषि पंचमी दिनेश।
पूरण चालीसा भयो, मंगल मूर्ति गणेश॥

अखण्ड सौभाग्य के लिए सुहागिन महिलाएं 11 अप्रैल को रखेंगी गणगौर का व्रत

डा. अनीष व्यास

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 11 अप्रैल को गणगौर पर्व मनेगा। ये त्योहार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। गणगौर पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि से आरम्भ की जाती है।

गणगौर का पर्व राजस्थान और भारत की भूमि के लिए बड़ा ही पवित्र और सुखद त्यौहार माना जाता है। इस पर्व को भारत में अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग नामों से भी जाना जाता है। यह पर्व मां पार्वती को समर्पित है और इस पर्व में उन्हीं की पूजा की जाती है। खास तौर से राजस्थान में गणगौर का बेहद ही महत्व है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर का पर्व हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 11 अप्रैल को है। गणगौर की पूजा चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन की जाती है। इस दौरान सुहागन और कुंवारी कन्याएं माता पार्वती और शिवजी की पूजा करती हैं और पति की लंबी उम्र के लिए कामना करती हैं। इस पर्व की खास रौनक राजस्थान में देखने को मिलती है। राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और गुजरात के कुछ इलाकों में भी यह पर्व मनाया जाता है। ये पर्व करवा चौथ जैसे ही मान्यता रखता है। इसके अनुसार कुंवारी कन्याएं और महिलाएं अच्छा पति पाने और पति के साथ सुखद जीवन व्यतीत करने के लिए इस व्रत का अनुसरण करती है। माना जाता है कि ऐसा करने से पति-पत्नी के बीच भगवान शिव और मां पार्वती जैसा ही सुखद दाम्पत्य संबंध बनता है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 11 अप्रैल को गणगौर पर्व मनेगा। ये त्योहार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। गणगौर पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि से आरम्भ की जाती है। इसमें कन्याएं और शादीशुदा महिलाएं मिट्टी के शिवजी यानी गण और माता पार्वती यानी की गौर बनाकर पूजन करती हैं। गणगौर के समाप्ति पर त्योहार धूम धाम से मनाया जाता है और झांकियां भी निकलती हैं। सोलह दिन तक महिलाएं सुबह जल्दी उठकर बगीचे में जाती हैं, दूब और फूल चुन कर लाती हैं। दूब लेकर घर आती है उस दूब से मिट्टी की बनी हुई गणगौर माता दूध के छींटें देती हैं। वे चैत्र शुक्ल द्वितीया के दिन किसी नदी, तालाब या सरोवर पर जाकर अपनी पूजी हुई गणगौरों को पानी पिलाती हैं। दूसरे दिन शाम को उनका विसर्जन कर देती हैं। जहां पूजा की जाती है उस जगह को गणगौर का पीहर और जहां विसर्जन होता है उस जगह को ससुराल माना जाता है।

17 दिन तक मनाया जाता है यह पर्व

भविष्यवक्ता डॉ अनीष व्यास ने बताया कि राजस्थान में गणगौर का त्योहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा (होली) के दिन से शुरू होता है, जो अगले 17 दिनों तक चलता है। 17 दिनों में हर रोज भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति बनाई जाती है और पूजा व गीत गाए जाते हैं। इसके बाद चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करके व्रत और पूजा करती हैं और शाम के समय गणगौर की कथा सुनते हैं। मान्यता है कि बड़ी गणगौर के दिन जितने गहने यानी गुने माता पार्वती को अर्पित किए जाते हैं, उतना ही घर में धन-वैभव बढ़ता है। पूजा के बाद महिलाएं ये गुने सास, ननद, देवरानी या जेठानी को दे देते हैं। गुने को पहले गहना कहा जाता था लेकिन अब इसका अपभ्रंश नाम गुना हो गया है।

अविवाहित कन्या करती हैं अच्छे वर की कामना

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर एक ऐसा पर्व है जिसे, हर महिला करती है। इसमें कुवारी कन्या से लेकर, शादीशुदा तक सब भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करती हैं। ऐसी मान्यता है कि शादी के बाद पहला गणगौर पूजन मायके में किया जाता है। इस पूजन का महत्व अविवाहि त कन्या के लिए, अच्छे वर की कामना को लेकर रहता है जबकि, शादीशुदा महिला अपने पति की लंबी उम्र के लिए ये व्रत करती है। इसमें अविवाहित कन्या पूरी तरह से तैयार होकर और शादीशुदा सोलह श्रृंगार करके पूरे सोलह दिन विधि-विधान से पूजन करती हैं।

देवी पार्वती की विशेष पूजा

भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर पर देवी पार्वती की भी विशेष पूजा करने का विधान है। तीज यानी तृतीया तिथि की स्वामी गौरी हैं। इसलिए देवी पार्वती की पूजा सौभाग्य सामग्री से करें। सौलह श्रृंगार चढ़ाएं। देवी पार्वती को कुमकुम, हल्दी और मेंहदी खासतौर से चढ़ानी चाहिए। इसके साथ ही अन्य सुगंधित सामग्री भी चढ़ाएं।

गणगौर

गणगौर पर्व - 11 अप्रैल, 2024

तृतीया तिथि प्रारम्भ – 10 अप्रैल, 2024 को शाम 05:32 बजे

तृतीया तिथि समाप्त – 11 अप्रैल, 2024 को अपराह्न 03:03 बजे

उदया तिथि को मानते हुए गणगौर का पर्व 11 अप्रैल को मनाया जाएगा और इसी दिन चैत्र नवरात्रि का तीसरा दिन है।

गणगौर पर्व का महत्व

कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर शब्द गण और गौर दो शब्दों से मिलकर बना है। जहां 'गण का अर्थ शिव और 'गौर का अर्थ माता पार्वती से है। दरअसल, गणगौर पूजा शिव-पार्वती को समर्पित है। इसलिए इस दिन महिलाओं द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की मिट्टी की मूर्तियां बनाकर उनकी पूजा की जाती है। इसे गौरी तृतीया के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से महिलाओं को अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। भगवान शिव जैसा पति प्राप्त करने के लिए अविवाहित कन्याएं भी यह व्रत करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता पार्वती भगवान शिव के साथ सुहागन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद देने के लिए भ्रमण करती हैं। महिलाएं परिवार में सुख-समृद्धि और सुहाग की रक्षा की कामना करते हुए पूजा करती हैं।

नौ शक्तियों का मिलन पर्व है नवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरुआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 9 अप्रैल से हो चुकी है, जिसका समापन रामनवमी के दिन 17 अप्रैल को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है।

भारतीय समाज में नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरुआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 9 अप्रैल से हो चुकी है, जिसका समापन रामनवमी के दिन 17 अप्रैल को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात्तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।

नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं।

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

दिल्ली सरकार के मंत्री राजकुमार आनंद ने 'आप' से दिया इस्तीफा, पड़ा था मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी का छापा

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री राजकुमार आनंद ने आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। राजकुमार आनंद पर ईडी का छापा पड़ा था।राजकुमार आनंद के घर पर छापेमारी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई थी। राजकुमार आनंद दिल्ली सरकार में समाज कल्याण मंत्री थे।

इस्तीफे पर राजकुमार आनंद ने कहा 'दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से कनेक्शन इसलिए हुआ, क्योंकि उन्होंने कहा था कि राजनीति बदलेगी तो देश बदलेगा'आज राजनीति नहीं बदली है, लेकिन राजनेता बदल गए हैं। मैंने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री कार्यालय को भेज दिया है।'

उन्होंने कहा, 'आम आदमी पार्टी का जन्म भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए हुआ था, लेकिन आज पार्टी भ्रष्टाचार के दलदल में फंस गई है। मेरे लिए मंत्री पद पर काम करना मुश्किल हो गया है। मैंने मंत्री पद से और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि मैं इस भ्रष्टाचार से अपना नाम नहीं जोड़ सकता।'

राजकुमार आनंद ने कहा, 'मैं समाज का बदला चुकाने के लिए मंत्री बना हूं। मैं ऐसी पार्टी का हिस्सा नहीं बनना चाहता जो पीछे हटती हो। जब दलित प्रतिनिधित्व की बात हो रही है तो मैं किसी पार्टी में शामिल नहीं हो रहा हूं।'

राजकुमार आनंद ने 2011 में 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। जहां वे अरविंद केजरीवाल और उनके दृष्टिकोण, ₹राजनीति बदलेगी तो देश बदलेगा₹ से बहुत प्रभावित हुए। इसके बाद वो आम आदमी पार्टी में शामिल हुए और 2020 में दिल्ली की पटेल नगर विधानसभा से विधायक चुने गए। राजकुमार आनंद को बचपन में गरीबी ने उन्हें माता-पिता से दूर कर दिया। गरीबी के कारण उनके माता-पिता को उन्हें उनके नाना-नानी के पास अलीगढ़ भेजना पड़ा। नाना-नानी के घर पहुंचकर भी राजकुमार आनंद की मुश्किलें आसान नहीं हुईं। हालांकि, थोड़ी राहत जरूर मिली। राजकुमार आनंद को अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के लिए अलीगढ़ के ताला फैक्ट्री में एक बाल मजदूर के रूप में भी काम करना पड़ा। स्कूली और कॉलेज की पढ़ाई भी राजकुमार ने मुश्किल से की। एमए और एलएलबी की पढ़ाई के लिए पैसे नहीं थे तो उन्होंने ट्यूशन पढ़ाना शुरू कर दिया। हालात फिर भी नहीं सुधरे तो फैक्ट्रियों के बाहर फेके गए फोम से तकिया बनाना शुरू किया। अथक प्रयास के बाद वह रैक्सीन लेदर के एक सफल व्यवसायी बने।

'राजकुमार आनंद को बहुत डराया गया, हमें उनसे सहानुभूति है...' AAP का दावा- वो जल्द ही भाजपा में होंगे शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

Delhi Excise Policy Scam Case से आम आदमी पार्टी के लिए मुश्किलें बढ़ी हैं वो जल्द खत्म होती नहीं दिख रहीं। एक ओर पार्टी के संयोजकर और दिल्ली के सीएम जेल में बंद हैं वहीं दूसरी तरफ दिल्ली के एक मंत्री ने पद से इस्तीफा देने के साथ ही पार्टी भी छोड़ दी है। इस पर आप ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उनसे नाराजगी की बजाय सहानुभूति जताई है।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले तो आबकारी नीति घोटाले में पार्टी की पहली पंक्ति के नेता जेल पहुंचे और अब पार्टी के बड़े नेता व मंत्री ने पार्टी का साथ छोड़ दिया है।

बुधवार को दिल्ली सरकार में समाज कल्याण मंत्री रहे राजकुमार आनंद ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि उनका नाम किसी भ्रष्ट आचरण में जुड़े। उन्हें नहीं लगता कि उनकी सरकार के पास शासन चलाने की कोई नैतिकता बची है।

'हमें जिसकी चिंता थी वही होने लगा है'

राजकुमार आनंद के इस्तीफे के बाद आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह और मंत्री सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें संजय सिंह ने कहा, हमें जिसकी चिंता थी वही होने लगा है, यही हम पहले ही दिन से कह रहे थे।

वह आगे बोले, आज के बाद एक सवाल बंद हो जाएगा कि ईडी की गिरफ्तारी के पीछे आप को तोड़ने का मकसद है। यही काम अब दिल्ली में किया जा रहा है। आज आप के एक-एक मंत्री और विधायक की भी अग्नि परीक्षा है कि हम कैसे इस माहौल में भाजपा से लड़ सकते हैं।

संजय सिंह ने आगे दावा कि आप लोग देख लेना, आनंद जल्द ही भाजपा में शामिल होंगे। जबकि भाजपा ने ही इन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था और 23 घंटे तक ईडी का छापा पड़ा था।

'12 अप्रैल का ईडी का मिला है नोटिस'

संजय सिंह ने कहा, हम राजकुमार आनंद को धोखेबाज नहीं कहेंगे। वह ईडी से डर गए। वह अपने साथियों को कह रहे थे कि जब थोड़ा सक्रिय होते हैं तो ईडी का फोन आ जाता है।

संजय बोले, यह राजनीतिक आत्महत्या है। उन्हें बहुत डराया गया है। भला कैसे कोई आदमी अपने पद से इस्तीफा दे सकता है। एक और जानकारी मिली है कि उन्हें 12 अप्रैल का ईडी का नोटिस भी मिला था। हमें राजकुमार आनंद नहीं बनना है, अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया बनना है।

हमें राजकुमार आनंद से सहानुभूति है। यह पूछे जाने पर कि आनंद ने कहा है कि भाजपा में नहीं जाऊंगा, इस पर उन्होंने कहा कि थोड़ा इंतजार कीजिए, सभी कुछ सामने आएंगे।

'पता नहीं दो घंटे में क्या हो गया'

जब आप नेताओं से यह पूछा गया कि आनंद का आरोप है कि पार्टी में दलितों का सम्मान नहीं है? इस पर संजय सिंह ने कहा यही वह पार्टी है जहां दलितों का बहुत सम्मान है। बाबा साहेब के सपने को केवल हमने ही साकार किया है। संजय सिंह बोले, पीसी में आनंद एक सक्रिप्ट पढ़ते दिखे, जो शायद किसी के द्वारा उन्हें दी गई थी। वहीं सौरभ भारद्वाज ने कहा, आज दोपहर को ही दो बजे के करीब उन्होंने संजय सिंह जी की एक पोस्ट को एक्स पर पोस्ट किया था, मगर अचानक यह बात सामने आई है।

भाजपा यही कराती है

सौरभ आगे बोले, भाजपा यही कराती है कि पहले पार्टियों को तोड़ती है और उन्हें अपने दल में शामिल कराती है। नए मंत्री के चयन के सवाल पर भारद्वाज ने कहा कि अभी तो इन मंत्री पर ही चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि नए मंत्री आएंगे तो ये उन्हें भी इसी तरह परेशान करेंगे और उन्हें भी पार्टी छोड़ने को मजबूर करेंगे।

जेएनयू में शुरू होगा हिंदू, बौद्ध और जैन का स्टडी सेंटर, छात्र कर सकेंगे शोध; जानिए कैसे होगा एडमिशन

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) में 2025-26 सत्र से तीन नए हिंदू बौद्ध और जैन अध्ययन केंद्रों की शुरुआत होगी। हाल में हुई अकादमिक परिषद की बैठक (Academic Council Meeting) में इस पर मुहर लग गई है। तीनों अध्ययन केंद्र से विद्यार्थी परास्नातक की डिग्री और पीएचडी कर सकेंगे। इनमें दाखिले कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी CUET) के जरिये होंगे।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) में 2025-26 सत्र से तीन नए हिंदू, बौद्ध और जैन अध्ययन केंद्रों की शुरुआत होगी। हाल में हुई अकादमिक परिषद की बैठक (Academic Council Meeting) में इस पर मुहर लग गई है।

तीनों अध्ययन केंद्र से विद्यार्थी परास्नातक की डिग्री और पीएचडी कर सकेंगे। इनमें दाखिले कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी, CUET) के जरिये होंगे।

अगले सत्र से प्रवेश होगा शुरू

तीनों अध्ययन केंद्र संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान में शुरू किए जाएंगे। संस्थान के डीन प्रो. ब्रजेश कुमार पांडेय ने बताया कि सीयूईटी परास्नातक की परीक्षाएं हो चुकी हैं। अगले सत्र से परीक्षा देने वाले छात्र यहां प्रवेश ले पाएंगे। शुरुआत में तीनों केंद्रों में 20-20 सीटें होंगी। इसके बाद इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी।

कुलपति प्रो. शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित के प्रयासों से ही तीनों केंद्रों की स्थापना की गई है। प्राचीन भारतीय परंपरा में शोध कार्यों को बढ़ावा देने का प्रयास जेएनयू प्रशासन कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रगतिशील प्रावधानों में शिक्षण-अधिगम और अनुसंधान में नवाचार लाने के लिए ये तीनों केंद्र बनाए गए हैं।

शुरुआत में संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान में इनकी शुरुआत होगी। इसके बाद इनके लिए अलग से इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा।

हिंदू अध्ययन केंद्र में क्या होंगे पढ़ाई के टॉपिक

उन्होंने कहा कि हिंदू अध्ययन केंद्र के तहत प्राचीन भारतीय साहित्य, वेद, उपनिषद, गीता के भाग, ऐसी ज्योतिष विद्या जो भारतीय गणितीय पद्धति का प्रतिनिधित्व करती है। लीलावती, आर्यभट्ट, चरक और सुश्रुत की आयुर्वेद संहिता का अध्ययन कराया जाएगा। इसके साथ ही अर्थशास्त्र की तंत्रयुक्ति, मीमांसा का अधिकरण, भारतीय प्रबंधन, पाणिनी और वाद परंपरा, शास्त्रार्थ की विधियां, अर्थ निर्धारण, शक्ति व प्रकृति का सिद्धांत, सौंदर्य लहरी, कश्मीर का शैव दर्शन, आयुर्विज्ञान, विधि शास्त्र इसके पाठ्यक्रम में शामिल हैं।

विशेष रूप से सिख ज्ञापन परंपरा को इसके पाठ्यक्रम में रखा गया है, उनके पद्य भी पढ़ाए जाएंगे।

बौद्ध और जैन केंद्र में क्या होंगे पाठ्यक्रम

प्रो. पांडेय ने बताया कि बौद्ध अध्ययन केंद्र में मूल साहित्य त्रिपिटक, पाली व्याकरण, थेरवाद या स्थिरवाद, बौद्ध दर्शन के प्रमुख दार्शनिक सिद्धांत, क्षणिकवाद, चार शाखाओं के सिद्धांत, शून्यवाद और बौद्ध धर्म में मोक्ष की अवधारणा को इसके पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाएगा।

जैन अध्ययन केंद्र में जैन तत्व मीमांसा, कर्म सिद्धांत, पुर्नजन्म सिद्धांत, जैन गणितीय पद्धति और ज्योतिष, प्राकृत भाषा का इतिहास एवं व्याकरण, सम्यक दर्शन, पंच महाव्रत और जैन तीर्थंकरों का इतिहास इसके पाठ्यक्रम में शामिल होगा।

प्रो. पांडेय ने कहा संस्कृत स्कूल में हिंदू अध्ययन, बौद्ध अध्ययन और जैन अध्ययन भारत की विविधता में एकता को समझने का मार्ग बनेगा और भारतीय मानस को जानने में सहायक होगा।

तिरंगा सम्मान संकल्प साईकल यात्रा पर निकले प्रेम,आर्मी रक्तदान में 20 हजार यूनिट का रिकार्ड

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी, नईदिल्ली। देश के सीमा प्रहरियों के लिए आहूत प्रेम गोतम अब तक सेना के लिए 20 हजार यूनिट रक्तदान करवा चुके हैं। इसके अलावा देश के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा झंडा सम्मान संकल्प साईकल यात्रा को लेकर मॉ भारती रक्तवाहिनी संस्था के संस्थापक 34 वर्षीय प्रेम गोतम का एक मुहिम के तहत हरियाणा के सोनीपत से अपनी साईकल यात्रा के जरिए देश के कोने-कोने में जाने का इरादा है। ।उनका इरादा देश के तमाम राज्यों में तिरंगा सम्मान संकल्प यात्रा के द्वारा लोगों में जागरूकता लाना है। वह अपनी साईकल पर बडा सा बोर्ड लगाकर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के सम्मान पर संदेश दे रहे हैं। अपनी तिरंगा सम्मान संकल्प यात्रा के दौरान प्रेम गोतम दिल्ली में नरेला के सफियाबाद में पहुंचे। जहां फेडरेशन ऑफ नरेला के अध्यक्ष जोगिन्दर दहिया द्वारा उनका स्वागत कर सम्मानित किया गया। इसी दौरान इस संवाददाता ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा सम्मान संकल्प यात्रा के ध्वज वाहक प्रेम गौतम से विस्तार से चर्चा की। प्रेम गोतम ने बताया की वह हरियाणा के सोनीपत में रहते है। जून-15, 2021से तिरंगा सम्मान संकल्प साईकल यात्रा के तहत लोगों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे झंडे के नियम कायदों पर जागरूक कर रहें हैं। प्रेम ने बताया कि हर घर तिरंगा मुहीम के तहत लोगों के घर दफ्तर, निजी वाहनों, ऑटो, आदि पर तिरंगे झंडे को लगाया हुआ है। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा झंडा गंदा, मैला, जगह-जगह से फट चुका है, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज के नियम कायदों से अनजान लोग अभी तक मैला फटा हुआ झंडे को लगाए हुए है। जबकि कायदे से उन कटे-फटे या गंदे हो चुके तिरंगे झंडे को सह सम्मान उतारना चाहिए। इसी मुहीम के तहत हम ऐसे झंडों को जगह -जगह से उतारकर इक्ट्ठा करते हैं। बाद में कलेक्ट किए गए तिरंगे झंडों को सरकार के नोडल अधिकारी, या संबंधित विभाग के हवाले कर देते हैं।प्रेम गोतम ने बताया कि इस मुहीम के तहत अब तक वह हजारों कटे-फटे, मैले तिरंगे झंडों को निष्पादन के लिए संबंधित नोडल अधिकारी के सुपुर्द कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी, और 15 अगस्त के मौके पर लोग राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को लगाकर भूल जाते हैं।जो बाद में फट जाता है, मैला हो जाता है। ये हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का अपमान है। बस हम तिरंगा सम्मान संकल्प साईकल यात्रा के दौरान ऐसे तिरंगे झंडों को लोगों से उतरवाकर उन्हें नियमों के तहत जागरूक करते हैं। अब तक वह सोनीपत से मथुरा, रोहतक, दिल्ली ,चंडीगढ, के अलावा सैंकड़ो जिलों में मुहीम चला चुके है। गोतम के मुताबिक उनके इस तिरंगा सम्मान संकल्प साईकल यात्रा को इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज किया जा चुका है। प्रेम गोतम ने बताया कि इस मुहीम के तहत 'तिरंगा वीर' के नाम से अब-तक हजारों लोग जुड चुके हैं।सोशल मीडिया के जरिए भी(तिरंगा वीर) की सदस्यता लेकर अपने-अपने क्षेत्रों में तिरंगा सम्मान संकल्प यात्रा से जुडकर अपनी सेवा दे रहे है। इस तिरंगा सम्मान संकल्प यात्रा को लेकर प्रेम गोतम का कहना है कि जब तक प्राण के संकल्प के साथ जागरूकता अभियान चलाते रहेगें।इसके अलावा 'मां भारती रक्त वाहिनी' संस्था के तहत अब-तक वह सेना वीरों के लिए करीब 20 हजार यूनिट रक्तदान करवा चुके हैं। महीने में चार बार रक्तदान शिविर के आयोजन से वह सरकारी संस्था दिल्ली रेड क्रॉस, बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट, अन्य सरकारी संस्थान के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन करते हैं।

अरविंद केजरीवाल की तिहाड़ में बिगड़ी तबीयत, शुगर लेवल बढ़ा...

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तबीयत एक बार फिर से बिगड़ गई है। तिहाड़ जेल द्वारा जारी हेल्थ बुलेटिन में शुगर लेवल बिगड़ा हुआ बताया गया है। उनका शुगर लेवल फास्टिंग में 160 बताया गया है जबकि नॉर्मल ब्लड शुगर फास्टिंग में 70 होता है। अरविंद केजरीवाल दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तबीयत एक बार फिर से बिगड़ गई है। तिहाड़ जेल द्वारा जारी हेल्थ बुलेटिन में शुगर लेवल बिगड़ा हुआ बताया गया है। उनका शुगर लेवल फास्टिंग में 160 बताया गया है, जबकि नॉर्मल ब्लड शुगर फास्टिंग में 70 होता है। अरविंद केजरीवाल दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं।

गिरफ्तारी के बाद से बिगड़ी तबीयत : अरविंद केजरीवाल को ईडी ने 21 अप्रैल को गिरफ्तार किया था, इसके बाद वो ईडी की हिरासत में रहे। फिर कोर्ट ने उन्हें एक अप्रैल को 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आम आदमी पार्टी ने 3 अप्रैल को जानकारी दी कि केजरीवाल का वजन लगभग साढ़े चार किलो घट गया है। वहीं, तिहाड़ जेल प्रशासन ने बताया कि उनकी तबीयत ठीक है।

डायबिटीज पर जेल प्रशासन की पूरी नजर : सीएम को डायबिटीज की समस्या है। इसे देखते हुए उनके स्वास्थ्य पर जेल के चिकित्सकों का पूरा ध्यान है। ब्लड शुगर का लेवल कम या अधिक न हो, इसके लिए चिकित्सक समय-समय पर जाकर उनका हाल ले रहे हैं। जरूरत पड़ने पर इसकी जांच भी हो रही है। मालूम हो कि दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार सीएम केजरीवाल को ईडी ने रिमांड खत्म होने पर सोमवार यानी एक अप्रैल को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया था, जहां से कोर्ट ने उन्हें 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा। इसके बाद सोमवार शाम से वह तिहाड़ जेल में हैं।

उपासना स्थल अधिनियम 1991 पर सोशलिस्ट पार्टी (इण्डिया) द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन

शम्स आग़ाज़ जामेई

नई दिल्ली। प्रेस क्लब, नई दिल्ली में सोशलिस्ट पार्टी (इण्डिया) द्वारा उपासना स्थल अधिनियम 1991 पर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस वार्ता को सोशलिस्ट पार्टी (इण्डिया) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता थम्पन थॉमस, अधिवक्ता अनिल नौरिया, अधिवक्ता इंदिरा उन्नीनायर ने सम्बोधित कया। अधिवक्ता शशांक सिंह ने संचालन किया व सोशलिस्ट पार्टी (इण्डिया) के महासचिव श्याम गम्भीर ने धन्यवाद ज्ञापन किया।इस अवसर पर सैयद तहसीन अहमद, उपाध्यक्ष, सोशलिस्ट पार्टी (इण्डिया), डॉ संदीप पांडे, महा सचिव सोशलिस्ट पार्टी (इण्डिया) भी उपस्थित थे।

थम्पन थॉमस ने कहा कि एक बार उपासना स्थल अधिनियम बन गया तो अयोध्या के अलावा नए मामले, जैसे मथुरा या काशी या अन्य जगहों पर भी उठाना अधिनियम का उल्लंघन है और यह सिर्फ राजनीतिक लाभ लेने के इरादे से किया जा रहा है। हमें आने वाले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को हराना ही होगा ताकि राजनीति में धर्म का इस्तेमाल रोका जा सके। उन्होंने कहा कि देश के सामने अन्य चुनौतियां भी हैं, जैसे गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, आदि, किंतु भाजपा ने इस मुद्दों से ध्यान हटा दिया है। चुनावी बांड के माध्यम से कम्पनियों पर छापे डाल कर उनसे चंदा वसूला गया है इसकी ही जांच होनी चाहिए ताकि दोषी नेताओं के खिलाफ कार्यवाही हो सके।

इंदिरा उन्नीनायर ने बताया कि वे सोशलिस्ट पार्टी (इण्डिया) के नेता बलवंत सिंह खेड़ा की तरफ से शिरोमणि अकाली दल के खिलाफ एक मुकदमा कर चुकी हैं। शिरोमणि अकाली दल ने दो संविधान बन रखे हैं एक आम चुनाव के लिए दूसरा गुरुद्वारा प्रबंधक समितियों के चुनाव के लिए, जो सांविधानिक मूल्य धर्म निर्पेक्षता के खिलाफ है। इस मामले की सुनवाई हो चुकी है लेकिन न्यायालय निर्णय नहीं सुना रही। इंदिरा उन्नीनायर अब दूसरा मुकदमा करने जा रही हैं जिसमें राजनीति में धर्म के इस्तेमाल को चुनौती दी जाऐगी।

अनिल नौरिया ने विस्तार से बात रखते हुए बताया कि उपासना स्थल अधिनियम का उद्देश्य, जो उस समय के राष्ट्रपति वेंकटरमण ने अपने भाषण में कहा था, यह था कि बाबरी मस्जिद जैसे मामले और न उठाए जाएं। उन्होंने 1924 में महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए अनशन के दौरान हुई सर्व धर्म बैठक में पारित प्रस्ताव का भी जिक्र किया जिसमें मदन मोहन मालवीय व स्वामी श्रद्धानंद भी शामिल थे, कि किसी भी धार्मिक स्थल के चरित्र को बदलने की नीयत से उसपर कोई हमला नहीं किया जाएगा। 1991 के अधिनियम की तरह इसमें बाबरी मस्जिद जैसा कोई अपवाद भी नहीं छोड़ा गया था क्योंकि तब तक राम जन्म भूमि का कोई आंदोलन ही नहीं था। इस बैठक की पुष्टि जवाहरलाल नेहरू ने अपनी आत्मकथा में की है।

बैठक के शुरू में सोशलिस्ट अधिवक्ता मंच का गठन किया गया जिसके अध्यक्ष अधिवक्ता अनिल नौरिया बनाए गए व समन्वयक अधिवक्ता शशांक सिंह। शशांक सिंह को जिम्मेदारी दी गई कि अन्य अधिवक्ताओं से बात कर उन्हें सोशलिस्ट अधिवक्ता मंच में शामिल करें।

सोशलिस्ट पार्टी (इण्डिया) व सोशलिस्ट अधिवक्ता मंच इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि भारतीय संविधान में धर्मनिर्पेक्षता के मूल्य की रक्षा होनी चाहिए और देश-समाज में सर्व धर्म सम्भाव की भावना की पालन होना चाहिए। वह भाजपा की साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति को खारिज करती है।

मॉल के बेसमेंट में किशोरी से दुष्कर्म, नौकरी देने के बहाने बनाया हवस का शिकार

कोतवाली सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर-75 स्थित स्पेक्ट्रम माल के बेसमेंट में किशोरी के साथ युवक ने दुष्कर्म कर दिया। आरोपित उसे नौकरी देने के बहाने बुलाकर ले गया था। घटना रविवार रात की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मूलरूप से बिहार की रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी नोएडा में रहती है।

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर-75 स्थित स्पेक्ट्रम माल के बेसमेंट में किशोरी के साथ युवक ने दुष्कर्म कर दिया। आरोपित उसे नौकरी देने के बहाने बुलाकर ले गया था। घटना रविवार रात की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मूलरूप से बिहार की रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी नोएडा में रहती है। यहां उसकी मुलाकात मूलरूप से जिला मथुरा के गांव दतिया के शोरन सिंह से हुई। शोरन स्पेक्ट्रम मॉल के बेसमेंट स्थित एक दुकान पर नौकरी करता है। रविवार को वह किशोरी को दुकान पर काम दिलाने के बहाने ले गया। आरोप है कि रात के समय शोरन ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। सोमवार को किसी तरह किशोरी पुलिस के पास पहुंची और मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराया और आरोपित को खोजने के लिए टीम गठित कर दी।

इस महीने पूरा होगा केजीपी-अलीगढ़ रोड इंटरचेंज का काम, जाम और प्रदूषण से मिलेगी निजात

एमपी-केजीपी एक्सप्रेस वे के निर्माण के बाद से ही पलवल शहर में जाम को कम को कम करने के लिए पलवल-अलीगढ़ रोड पर इंटरचेंज बनाए जाने की मांग उठ रही थी। इस पत्र में केजीपी एक्सप्रेस वे को पलवल-अलीगढ़ रोड से जोड़ने के लिए जमीन अधिग्रहित करने के आदेश दिए गए थे। इससे देवर एयरपोर्ट जाने वालों को भी फायदा होगा।

पलवल। कुंडली-गाजियाबाद-पलवल (केजीपी) एक्सप्रेस-वे से पलवल-अलीगढ़ रोड को जोड़ने के लिए इंटरचेंज का निर्माण कार्य इस माह पूरा हो जाएगा। इंटरचेंज का निर्माण कार्य करीब 95 प्रतिशत से ज्यादा पूरा हो चुका है। इसका निर्माण पूरा होते ही इसे ट्रायल के लिए खोल दिया जाएगा।

जेवर एयरपोर्ट जाने वालों को होगा फायदा

इंटरचेंज के बनने से जेवर एयरपोर्ट समेत अन्य स्थानों के लिए जाने वाले वाहनों को शहर में दाखिल नहीं होना पड़ेगा। पलवल शहर को जाम व प्रदूषण से राहत मिलेगी। केएमपी-केजीपी एक्सप्रेस वे के निर्माण के बाद से ही पलवल शहर में जाम को कम को कम करने के लिए पलवल-अलीगढ़ रोड पर इंटरचेंज बनाए जाने की मांग उठ रही थी। क्षेत्रवासियों की इस मांग को देखते हुए इंटरचेंज को मंजूरी दी गई थी।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा 12 अक्टूबर 2018 को पलवल जिला उपायुक्त को पत्र जारी किया गया था। इस पत्र में केजीपी एक्सप्रेस वे को पलवल-अलीगढ़ रोड से जोड़ने के लिए जमीन अधिग्रहित करने के आदेश दिए गए थे। वर्ष 2021 में परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा केजीपी एक्सप्रेस वे को पलवल-अलीगढ़ रोड से जोड़ने के लिए 65 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई थी। इसके बाद पिछले साल केजीपी एक्सप्रेस-वे से पलवल-अलीगढ़ रोड को जोड़ने के लिए इंटरचेंज का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। अब इस इंटरचेंज का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। हालांकि इसका निर्माण कार्य फरवरी माह में ही पूरा करने की तैयारी थी। मगर निर्माण कार्य फरवरी माह में पूरा नहीं हो पाया था।

जाम और प्रदूषण से मिलेगी मुक्ति

रोजाना पलवल-अलीगढ़ रोड से आठ हजार से ज्यादा वाहन आवागमन करते हैं। इनमे भारी वाहनों की संख्या अत्यधिक है। अभी इन वाहनों को शहर से होते हुए गुजरना पड़ता है। इसकी वजह से शहर में जाम की स्थिति पैदा होती है और प्रदूषण भी फैलता है। इंटरचेंज के शुरू हो जाने से शहर में जाम और प्रदूषण से राहत मिलेगी।

अलीगढ़ से आने वाले वाहन शहर में दाखिल होने की बजाय सीधे इस इंटरचेंज का उपयोग कर केजीपी-केएमपी एक्सप्रेस वे और राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर पहुंच सकेंगे। आगरा, गुरुग्राम, मानेसर, रेवाड़ी समेत अन्य हिस्सों से आने वाले वाहन बिना शहर में दाखिल हुए गांव अटोहां में केजीपी से होते हुए इस इंटरचेंज का उपयोग कर अलीगढ़ जा सकेंगे। यह इंटरचेंज जेवर एयरपोर्ट से आवागमन की राह को भी आसान बनाएगा।

इसी के साथ इंटरचेंज के बनने से व्यवसायिक रूप से भी क्षेत्र को बड़ा फायदा होगा। अलीगढ़ रोड पर पड़ने वाले गांवों को भी इसका विशेष रूप से फायदा होगा। पेलक, ताराका, घोड़ी, चांदहट, सिहौल, मीसा, गुरवाड़ी, किठवाड़ी, बड़ौली, खजूरका, बड़ोली, राजपुर खादर समेत दर्जनों गांव सीधे केजीपी एक्सप्रेस वे से जुड़ जाएंगे।

अभी मौजूद है एक ही इंटरचेंज

केएमपी-केजीपी एक्सप्रेस वे पर जिले के अंदर यह दूसरा इंटरचेंज होगा। पहला इंटरचेंज राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर स्थित है, जो केएमपी और केजीपी को आपस में जोड़ता है। केएमपी पर मंडकौला-के समीप एक तीसरा इंटरचेंज बनाया जाना भी प्रस्तावित है।

इंटरचेंज का निर्माण कार्य कर रहे ठेकेदार सतीश चौधरी के मुताबिक इस इंटरचेंज का निर्माण कार्य इस माह में पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद इसे ट्रायल के लिए वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा। इसका उद्घाटन होते ही यह पूरी तरह जनता को समर्पित हो जाएगा।

कासना कोतवाली में लगी भीषण आग, कोतवाली प्रभारी का ऑफिस समेत 100 गाड़ियां जलकर राख

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा के कासना कोतवाली मंगलवार दिन में उस वक्त हड़कंप मच गया जब यहां भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग इतनी तेज फैल गई कि इसने कोतवाली प्रभारी के दफ्तर और 100 गाड़ियों को अपनी जद में ले लिया। आग लगते ही इसकी सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई जिसके बाद मौके पर कई दमकल की कई गाड़ियां पहुंची और राहत-बचाव का कार्य कर रही हैं।

ग्रेटर नोएडा। कासना कोतवाली में मंगलवार को आग लग गई। आग लगने से कोतवाली प्रभारी का कार्यालय समेत थाने में खड़ी 100 गाड़ियां जलकर राख हो गईं।

ट्रांसफार्मर फटने से आग लगना शुरू हुई, जो कि तुरंत ही थाना परिसर में फैल गई। आग लगने के बाद थाना परिसर में पुलिसकर्मियों के बीच भगदड़ मच गई थी। दमकल कर्मी आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं।

नोएडा से आलू की आड़ में कर्नाटक ले जा रहे थे नकली तंबाकू से भरा ट्रक, छह लोग पकड़े गए

पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान रोका तो ट्रक के पिछले हिस्से में आलू के बोरे लाद रखे थे जबकि ट्रक के अंदर नकली तंबाकू लदा हुआ था। सीआरटी निरीक्षक सत्यवीर सिंह ने टीम के साथ ट्रक की तलाशी ली और आरोपितों को पकड़ लिया। नकली तंबाकू पर हंस छाप तंबाकू ब्रांड की नकली पैकिंग कर रखी थी। आरोपितों के पास से 61560 रुपये भी बरामद किए हैं।

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-126 क्षेत्र में पुलिस और सीआरटी ने मंगलवार को ट्रक में आलू की आड़ में नकली तंबाकू लेकर कर्नाटक जा रहे छह तस्करों को गिरफ्तार किया है। टीम ने ट्रक से कुल 8,418 किलो वजन के 138 बोरे बरामद किए हैं। जिनमें 1200 किलो वजन के 16 बोरी आलू हैं। आरोपितों के पास से 61,560 रुपये भी बरामद किए हैं।

अपराध शाखा के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पुलिस टीम गांव गढ़ी शाहपुर के पास गश्त कर रही थी। तभी सूचना मिली कि दिल्ली में कहीं पर खाने का तंबाकू नकली बनाकर बेचने वाला गिरोह नकली तंबाकू को कर्नाटक नंबर के एक ट्रक में लादकर ले जाया जा रहा है।

गिरोह के कुछ लोग नकली तंबाकू से लदे ट्रक को पुलिस की नजर से बचाकर निकाल ले जाने के उद्देश्य से एक ग्रे रंग की मारुति इट्रिगा कार में ट्रक से कुछ आगे चल रहे हैं। यह भी सूचना मिली कि ट्रक और कार कुछ ही देर में पुश्ता रोड से होते हुए जेपी स्कूल वाले फ्लाइओवर से हाईवे पर आने वाले हैं।

पिछले हिस्से में लाद रखे थे आलू के बोरे

पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान रोका तो ट्रक के पिछले हिस्से में आलू के बोरे लाद रखे थे, जबकि ट्रक के अंदर नकली तंबाकू लदा हुआ था। सीआरटी निरीक्षक सत्यवीर सिंह ने टीम के साथ ट्रक की तलाशी ली और आरोपितों को पकड़ लिया।

आरोपितों की पहचान जिला प्रतापगढ़ गांव सुखऊ के मनोज सरोज, कर्नाटक बैंगलुरु के रमेश भट्टी, सैय्यद जबीउल्ला, जाकिर हुसैन, दिल्ली वजीराबाद के परम और जिला प्रतापगढ़ गांव चिलबिला के शिवम जायसवाल के रूप में हुई, जबकि दिल्ली वजीराबाद का विकास उर्फ चाचा भागने में सफल रहा। नकली तंबाकू पर हंस छाप तंबाकू ब्रांड की नकली पैकिंग कर रखी थी।

नकली पैकिंग में घटिया किस्म का तंबाकू भरा जाता है, जिसे असली के रूप में बेच देते हैं। तंबाकू पकड़े जाने की सूचना पाकर हंस छाप तंबाकू कंपनी के निदेश अधिकृत जांच अधिकारी सिद्धार्थ गौर और सौरभ शर्मा भी आए। जिनके द्वारा पकड़े गए तंबाकू को खोलकर देखा तो बताया कि यह सभी नकली तंबाकू है। ये लोग इस नकली तंबाकू को प्रतिबंधित राज्यों में बेचने के उद्देश्य से ले जाते हैं।

इंदिरापुरम के आवासीय अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, मची अफरातफरी

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के इंदिरापुरम इलाके में बुधवार सुबह में सनराइज ग्रीन्स अपार्टमेंट के एक फ्लैट में आग लग गई। सूचना पर दमकल की गाड़ियां मौजूद है। फिलहाल दमकलकर्मियों द्वारा आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है वहीं आग लगने का कारण भी स्पष्ट नहीं हो सका है।

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के इंदिरापुरम इलाके में बुधवार सुबह सनराइज ग्रीन्स अपार्टमेंट के एक फ्लैट में भीषण आग लग गई। सूचना पर दमकल की तीन गाड़ियों ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) राहुल कुमार ने बताया, जयरपुरिया ग्रीन सनराइज सोसाइटी इंद्रापुरम में आग की सूचना करीब छह बजकर 38 मिनट पर मिली। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन वैशाली से अग्निशमन अधिकारी सहित तीन फायर टैंकर यूनिट के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुए। टीम ने देखा तो आग तीसरी मंजिल पर लगी थी, आग घर के एक कमरे में फैल चुकी थी। फायर यूनिट ने तत्काल सोसाइटी में स्थापित फायर सिस्टम द्वारा ही फायर फाइटिंग करके आग को बुझाना शुरू किया गया तथा दूसरी तरफ से सीढ़ी लगाकर खिड़की से भी फायर फाइटिंग करके कड़ी मेहनत मक्कत के बाद आग पर काबू किया। जानकारी के अनुसार, आग के कारण कुछ घरेलू सामान का नुकसान हुआ है लेकिन किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

यूपी में सपा की 'पीठ' पर बैठ कर कांग्रेस पार करना चाहती है चुनावी वैतणनी

अजय कुमार

यूपी की 80 की 80 सीट जीतने का लक्ष्य बीजेपी ने रखा है। हालांकि ऐसा होना असंभव नहीं तो मुश्किल जरूर है। खासकर इंडी गठबंधन के बाद यूपी में क्लीन स्वीप कर पाना इतना आसान नहीं होगा। इस बार बीजेपी को अपनी जीती हुई सीट बचाने में भी मुश्किल होगी।

उत्तर प्रदेश में इंडी गठबंधन का प्रचार अभियान तेज नहीं पकड़ पा रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सामने समस्या यह है कि वह अपनी चुनावी लाईन ही नहीं तय कर पा रही है। वहीं कांग्रेस आलाकमान ने यूपी को तो मानो भूला ही दिया है। संभवता कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार यह मान बैठा है कि यूपी में उसका सियासी सफरनामा सपा के कंधे पर बैठकर पूरा हो जायेगा। इंडी गठबंधन के तहत यूपी में कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। 20219 के लोकसभा चुनाव में यूपी में कांग्रेस का वोट प्रतिशत 2.33 प्रतिशत और सीट मात्र रायबरेली की एक थी। जहां से सोनिया गांधी सांसद थीं, अब वह राज्यसभा की सदस्य हैं। रायबरेली से कांग्रेस सोनिया गांधी की जगह नया प्रत्याशी मैदान में उतारेगी। इंडी गठबंधन के कमजोर प्रचार अभियान और बीजेपी के युद्ध स्तर पर चुनाव प्रचार करने से फिलहाल ऐसा लग रहा है कि बीजेपी ने प्रचार के माध्यम से काफी बढ़त बना ली है। 04 जून को मतगणना वाले दिन पता चलेगा बीजेपी की मेहनत कितनी रंग लाई, लेकिन कई सीटों पर मुकाबला कांटे का दिखाई दे रहा है। बीजेपी भी हर कदम फूंक-फूंक कर रख रही है। वहीं सपा-कांग्रेस भी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रहे हैं। हालांकि अमेठी, रायबरेली, बदायूं, घोषी, आजमगढ़, रामपुर समेत करीब दो दर्जन सीटों पर मुकाबला रोमांचक होने वाला है। जीत-हार का आंकलन कर पाना किसी भी राजनीतिक पंडित के लिए आसान नहीं होगा। कुल मिलाकर कांग्रेस की सुस्ती से समाजवादी पार्टी का प्रचार अभियान भी तेजी नहीं पकड़ पा रहा है जबकि पहले चरण के मतदान में अब मात्र दस दिनों का ही समय बचा है। कांग्रेस के रवैये के चलते सपा के कई दिग्गज नेता कांग्रेस आलाकमान से नाराज भी चल रहे हैं, इन नेताओं का कहना है कि कांग्रेस, सपा की पीठ पर सवार होकर पार करना चाहती है चुनावी वैतणनी।

यूपी की 80 की 80 सीट जीतने का लक्ष्य बीजेपी ने रखा है। हालांकि ऐसा होना असंभव नहीं तो मुश्किल जरूर है। खासकर इंडी गठबंधन के बाद यूपी में क्लीन स्वीप कर पाना इतना आसान नहीं होगा। इस बार बीजेपी को अपनी जीती हुई सीट बचाने में भी मुश्किल होगी। वहीं 2019 में हारी सीटें जीतना एक बड़ी चुनौती रहने वाली है। हालांकि बीजेपी भी अपने काम और मोदी-योगी के नाम पर पूरी दमखम से जुटी हुई है। वहीं इस चुनाव में यूपी की कई अन्य सीटों पर क्रिकेट मैच के फाइनल की तरह करो या मरो जैसी स्थिति रहने वाली है। इस बार जो चुनावी रण में लड़ेंगा वही जीतेगा। लहर के भरोसे चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। बात अगर यूपी की सबसे कांटे की टक्कर वाली सीट की करें तो पहला और दूसरा नाम अमेठी एवं रायबेरली सीट का आता है। अमेठी लोकसभा सीट पर उसी स्थिति में मुकाबला कांटे का होने की संभावना है, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़े। अमेठी कांग्रेस का गढ़ रहा है और 2019 के चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी चुनाव हार गए थे। उधर, बीजेपी ने मौजूदा सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को पुनः उम्मीदवार बनाया है। हाल ये है कि कांग्रेस अभी तक उम्मीदवार की घोषणा तक नहीं कर पाई है। चर्चा है कि सोनिया गांधी के दामाद और प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा अमेठी से चुनाव लड़ सकते हैं। रॉबर्ट वाड्रा के चुनाव लड़ने पर भी मुकाबला करो या मरो वाला हो जाएगा। इस सीट पर कांग्रेस का उम्मीदवार घोषित होने के बाद ही मुकाबला कैसा होगा, ये कह पाना संभव होगा। इसी प्रकार से रायबरेली सीट कांग्रेस का अभेद्य किला रहा है। मोदी लहर के बावजूद बीजेपी 2014 और 2019 के चुनाव में कांग्रेस के इस किले को भेद नहीं पाई थी। इस बार सोनिया गांधी चुनाव नहीं लड़ रही है। कांग्रेस से चुनाव कौन लड़ेंगा, अभी संशय बना हुआ है। अगर गांधी परिवार का कोई भी सदस्य चुनाव लड़ता है तो ये सीट कांग्रेस आसानी से जीत सकती है। अगर किसी अन्य को टिकट मिलता है तो कांग्रेस के लिए रायबरेली बचाना मुश्किल हो जाएगा। चुनाव इतना कांटे का हो जाएगा, जिस पर नतीजे आने से पहले कुछ भी कह पाना किसी के लिए मुश्किल होगा। यहां से प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने की चर्चा है। अगर प्रियंका चुनाव लड़ी तो कांग्रेस का रास्ता साफ हो जाएगा। बीजेपी के मिशन 80 पर प्रियंका पानी फेर सकती है।

तीसरे नंबर पर मैनपुरी लोकसभा सीट है। सपा का गढ़ मानी जाने वाली मैनपुरी सीट पर अगर बीजेपी नेताजी मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव को टिकट देती है तो उस स्थिति में चुनाव कांटे का होने की संभावना है। वरना इस सीट पर हुए उप-चुनाव के नतीजों से साफ-साफ संकेत है कि इस बार भी नतीजे सपा के पक्ष में आएंगे। डिंपल यादव आसानी से चुनाव जीत जाएंगी। अपर्णा चुनाव लड़ी तो लड़ाई बेहद रोमांचक होगी, उस स्थिति में जीत हार का आंकलन कर पाना बहुत मुश्किल होगा। ऐसे ही कन्नौज सीट से सपा मुखिया अखिलेश यादव के चुनाव लड़ने पर ही मुकाबला जैसी स्थिति होगी। वरना बीजेपी के सुब्रत पाठक कमल खिला देंगे। अखिलेश के लड़ने पर सुब्रत पाठक के लिए चुनाव जीतना लोहे के चने चबाने जैसा होगा।

बदायूं सीट पर भी इस बार कड़ा मुकाबला होने के आसार है। सपा ने कद्दावर नेता शिवपाल यादव को टिकट दिया था, लेकिन अब बदायूं से उनकी जगह उनके पुत्र आदित्य के चुनाव लड़ने की चर्चा है। जबकि बीजेपी ने मौजूदा सांसद संघमित्रा मौर्य का टिकट काट दिया है। इस बार बीजेपी के दुर्विजय शाक्य की टक्कर यादव कुनबे से होगी। अगर आदित्य चुनाव लड़े तो उस स्थिति में बदायूं सीट पर रोमांचक मुकाबला होगा। आखिरी समय तक कुछ भी कह पाना संभव नहीं होगा। उधर घोषी सीट पर भी मुकाबला करो या मरो वाला होने वाला है। वहीं आजमगढ़ सीट पर भी सपा ने धर्मेंद्र यादव को उतार कर दिनेश लाल निरहुआ को कड़ी टक्कर दे दी है। सपा का गढ़ रही इस सीट पर भी कांटे की टक्कर हो सकती है।

इलेक्ट्रिक कार चार्ज करते समय कभी न करें ये 5 गलतियां, नहीं तो हो सकता है बड़ा नुकसान

परिवहन विशेष न्यूज

ओवरचार्जिंग से ईवी बैटरी की सेहत पर बुरा असर पड़ता है। ईवी बैटरी चार्ज करते समय इसे 100 प्रतिशत तक चार्ज करने से बचें। कभी भी बैटरी को पूरी तरह खत्म न करें क्योंकि इससे उसके स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। बैटरी को बार-बार चार्ज करने से उसका जीवनकाल कम हो जाता है। आइए सभी जरूरी टिप्स जान लेते हैं।

नई दिल्ली। जीरो एमीशन और ग्रीनर मोबिलिटी को बढ़ावा देते हुए मौजूदा समय में Electric Cars को भारी संख्या में खरीदा जा रहा है। Tata Motors देश की सबसे ज्या EV बेचनी वाली कार बनी हुई है। इसके साथ MG और Volvo जैसी कारमेकर ने भी कई Electric Product पेश किए हैं।

बाजार में ईवी की संख्या बढ़ने के साथ इन वाहनों के प्रति कस्टमर्स की धारणा सकारात्मक रूप से बदल रही है। हालांकि, इलेक्ट्रिक वाहन को कैसे चार्ज किया जाए और बैटरी से सर्वोत्तम रेंज कैसे प्राप्त की जाए, इसके बारे में कई युक्तियां उपलब्ध हैं। ईवी बैटरी को चार्ज करते समय किन कामों को नहीं करना चाहिए, उसके बारे में जान लेते हैं।

ओवरचार्जिंग से बचें

ओवरचार्जिंग से ईवी बैटरी की सेहत पर बुरा असर पड़ता है। ईवी बैटरी चार्ज करते समय, इसे 100 प्रतिशत तक चार्ज करने से बचें। अधिकांश ईवी में पाई जाने वाली लिथियम-आयन बैटरियां 30-80 प्रतिशत चार्ज रेंज में सबसे अच्छा काम करती हैं। बैटरी को लगातार उसकी पूरी क्षमता तक चार्ज करने से बैटरी पर दबाव पड़ता है, इसलिए बैटरी को हमेशा 80 प्रतिशत तक चार्ज करने का प्रयास करें।

बैटरी को ड्रेनआउट न करें

कभी भी बैटरी को पूरी तरह खत्म न करें, क्योंकि इससे उसके स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। जब चार्ज लगभग 20 फीसदी हो जाए, तो इसे रिचार्ज करने का प्रयास करें। लिथियम-आयन बैटरियां गहरे डिस्चार्ज या ड्रेन आउट की वजह से जल्दी खराब हो सकती हैं।

ट्रिप के तुरंत बाद चार्ज पर न लगाएं

मोटर को बिजली की आपूर्ति करते समय लिथियम-आयन बैटरियां अत्यधिक गर्मी पैदा करती हैं। कम से कम 30 मिनट ठंडा होने के बाद बैटरी को चार्ज करना हमेशा सुरक्षित होता है। ईवी चलाने के तुरंत बाद बैटरी को चार्ज में न लगाएं, क्योंकि इससे वाहन की थर्मल समस्या बढ़ जाती है।

बार-बार चार्ज न करें

यह एक गलती है, जो कई ईवी मालिक करते हैं। बैटरी को बार-बार चार्ज करने से बैटरी का जीवनकाल कम हो जाता है। जबकि ईवी बैटरी स्वाभाविक रूप से खराब होने के लिए बाध्य है, इसे बार-बार चार्ज करने से खराबी जल्दी हो जाएगी।

टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों सहित टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की वैश्विक थोक बिक्री 1,55,651 यूनिट थी, जो वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि चीन में चेरी ऑटोमोबाइल्स के साथ संयुक्त उद्यम को छोड़कर, जगुआर लैंड रोवर की वैश्विक थोक बिक्री 1,10,190 यूनिट थी, जो एक साल पहले की समान तिमाही से 16 प्रतिशत अधिक है।

2024 बजाज पल्सर NS400 की कन्फर्म हुई लॉन्च डेट, इस दिन मारेगी एंट्री

Bajaj Auto ने पुष्टि की है कि वह 3 मई को अपनी सबसे बड़ी पल्सर लॉन्च करेगी और इसे 2024 Bajaj Pulsar NS400 के नाम से जाना जा सकता है। उम्मीद है कि बाइक निर्माता इसका फ्रेम Pulsar NS200 से शेयर करेगी। इस हिसाब से उम्मीद है कि ये एक पेरीमीटर फ्रेम होगा जिसे आगे की तरफ अप-साइड डाउन फोर्क्स और पीछे की तरफ एक मोनोशॉक सस्पेंशन मिलने वाले हैं।

नई दिल्ली। पिछले कई सालों से Pulsar NS400 के बारे में खबरें सामने आ रही थीं। जब से ब्रांड ने पहली बार NS200 को भारतीय बाजार में पेश किया है तब से लगातार इसके रेंडर सामने आए हैं। अब कंपने ने भी इसको लेकर चुप्पी तोड़ दी है। Bajaj Auto ने पुष्टि की है कि वह 3 मई को अपनी सबसे बड़ी पल्सर लॉन्च करेगी और इसे 2024 Bajaj Pulsar NS400 के नाम से जाना जा सकता है।

2024 Bajaj Pulsar NS400 में क्या मिलेगा?

उम्मीद है कि बाइक निर्माता इसका फ्रेम Pulsar NS200 से शेयर करेगी। इस हिसाब से उम्मीद है कि ये एक पेरीमीटर फ्रेम होगा, जिसे आगे की तरफ अप-साइड डाउन फोर्क्स और पीछे की तरफ एक मोनोशॉक सस्पेंशन मिलने वाले हैं।

ब्रेकिंग का काम दोनों सिरों पर एक डिस्क द्वारा किया जाएगा। उम्मीद की जा सकती है कि ब्रेकिंग और सस्पेंशन हार्डवेयर Pulsar N250 और Pulsar NS200 के साथ साझा किया जा सकता है।

संभावित फीचर्स

फीचर्स की बात करें, तो इसमें तीन मोड के साथ डुअल-चैनल एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम होगा। नए इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर को कंट्रोल करने के लिए नए स्विच गियर की पेशकश की जाएगी, जिसे नई पल्सर के साथ भी साझा किए जाने की उम्मीद है।

यह एक बिल्कुल नया डिजिटल यूनिट है, जो बजाज राइड कनेक्ट मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ आता है। इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर नोटिफिकेशन और कॉल मैनेजमेंट भी दिखा सकता है।

इंजन और परफॉरमेंस

अभी तक, यह पुष्टि नहीं हुई है कि बजाज आगामी NS400 के लिए कौन सा इंजन उपयोग करेगा। यह 373 सीसी यूनिट हो सकता है, जो डोमिनार 400 पर काम कर रही है और पिछली पीढ़ी के 390 ड्यूक से आती है। इसके अलावा ब्रांड नए 399 सीसी इंजन पर फिर से काम कर सकता, जिसने नई पीढ़ी के 390 ड्यूक के साथ अपनी शुरुआत की थी।

टाटा मोटर्स की ग्लोबल होलसेल में हुई 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी, JLR का ऐसा रहा परफॉरमेंस

टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों सहित टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की वैश्विक थोक बिक्री 155651 यूनिट थी जो वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। तिमाही के दौरान जगुआर की थोक बिक्री 13528 वाहन थी जबकि लैंड रोवर की थोक बिक्री 96662 वाहन थी।

नई दिल्ली। Tata Motors ने बुधवार को बताया कि 31 मार्च, 2024 को समाप्त चौथी तिमाही में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में कुल वैश्विक थोक बिक्री 8 प्रतिशत बढ़कर 3,77,432 यूनिट हो गई है।

पैसेंजर कार सेल में हुई बढ़ोतरी

टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों सहित टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की वैश्विक थोक बिक्री 1,55,651 यूनिट थी, जो वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी ने कहा कि चीन में चेरी ऑटोमोबाइल्स के साथ संयुक्त उद्यम को छोड़कर, जगुआर लैंड रोवर की वैश्विक थोक बिक्री 1,10,190 यूनिट थी, जो एक साल पहले की समान तिमाही से 16 प्रतिशत अधिक है।

JLR का ऐसा रहा परफॉरमेंस

तिमाही के दौरान जगुआर की थोक बिक्री 13,528 वाहन थी, जबकि लैंड रोवर की थोक बिक्री 96,662 वाहन थी। बयान में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में टाटा मोटर्स के कमर्शियल वाहन और टाटा देवू रेंज 1,11,591 यूनिट थी, जो वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही की तुलना में 6 प्रतिशत कम है।

मारुति सुजुकी अपनी चुनिंदा गाड़ियों का कराएगी BNCAP क्रैश टेस्ट, कंपनी ने किया आवेदन

Maruti Suzuki अपनी चुनिंदा कारों को BNCAP टेस्ट के लिए भेजने जा रही है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि मारुति सुजुकी ने अपने कुछ वाहनों के लिए भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (Bharat-NCAP) सेफ्टी रेटिंग के लिए आवेदन किया है। पिछले साल अगस्त में सरकार ने ऑटोमोबाइल के लिए भारत-एनसीएपी भारत का अपना और स्वतंत्र सुरक्षा प्रदर्शन मूल्यांकन प्रोटोकॉल लॉन्च किया था।

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी Maruti Suzuki अपनी चुनिंदा कारों को BNCAP टेस्ट के लिए भेजने जा रही है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि मारुति सुजुकी ने अपने कुछ वाहनों के लिए भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (Bharat-NCAP) सेफ्टी रेटिंग के लिए आवेदन किया है।

Tata Motors ने की थी शुरुआत

पिछले साल, टाटा मोटर्स की एसयूवी सफारी और हैरियर भारत-एनसीएपी के अनुसार वयस्क और बच्चों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा रेटिंग पाने वाली पहली प्राप्तकर्ता बनीं। एसयूवी को 5-स्टार रेटिंग दी गई थी।

BNCAP की कब हुई शुरुआत?

पिछले साल अगस्त में सरकार ने ऑटोमोबाइल के लिए भारत-एनसीएपी, भारत का अपना और स्वतंत्र सुरक्षा प्रदर्शन मूल्यांकन प्रोटोकॉल लॉन्च किया था। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पहले कहा था कि भारत-एनसीएपी को सर्वोत्तम श्रेणी के वैश्विक मानकों के लिए बेंचमार्क किया गया है और इस प्रणाली को अनिवार्य नियमों से परे सड़क सुरक्षा और वाहन सुरक्षा मानकों को आगे बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

अधिकारी ने यह भी कहा कि सरकार चालू वित्त वर्ष में राजमार्ग निर्माण माप पद्धति को 'सड़क किमी' से 'लेन किमी' में बदलने पर विचार कर रही है क्योंकि सरकार का ध्यान अब अधिक एक्सप्रेसवे बनाने पर केंद्रित हो गया है जो कम से कम चार लेन के हों। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और चौड़ीकरण की प्रगति को मापने के लिए रैखिक लंबाई पद्धति का उपयोग किया जाता है।

मारुति सुजुकी ने ग्रेंड विटारा और स्विफ्ट के बढ़ाए दाम, पहले से इतनी मंहगी हो गईं ये कार

मारुति सुजुकी ने पहले कहा था कि वह कमोडिटी की बढ़ती कीमतें और मुद्रास्फीति के कारण इस महीने अपनी कारों की कीमतें बढ़ाएगी। जहां हैचबैक की कीमत में 25000 रुपये की बढ़ोतरी की गई है वहीं फ्लैगशिप एसयूवी की कीमत 19000 रुपये अधिक हो गई है। मारुति सुजुकी ने आज एक्सचेंज फाइलिंग के दौरान कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है।

नई दिल्ली। Maruti Suzuki ने 10 अप्रैल से अपनी दो पॉपुलर कार Grand Vitara और Swift की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। कार निर्माता ने इस महीने अपने लाइनअप में मॉडलों की कीमतों को संशोधित करने के अपने निर्णय के तहत इन वाहनों के प्राइस 25,000 रुपये तक बढ़ा दिए हैं।

Vitara और Swift हुईं इतनी महंगी

मारुति सुजुकी ने पहले कहा था कि वह कमोडिटी की बढ़ती कीमतें और मुद्रास्फीति के कारण इस महीने अपनी कारों की कीमतें बढ़ाएगी। जहां हैचबैक की कीमत में 25,000 रुपये की बढ़ोतरी की गई है, वहीं फ्लैगशिप एसयूवी की कीमत 19,000 रुपये अधिक हो गई है।

मारुति सुजुकी ने आज एक्सचेंज फाइलिंग के दौरान कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। कार निर्माता ने ग्रैंड विटारा एसयूवी के एंट्री-लेवल सिग्मा वेरिएंट की कीमत में बढ़ोतरी की है। इस वेरिएंट की कीमत पहले 10.76 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) थी।

एसयूवी की संशोधित शुरुआती कीमत अब ₹10.95 लाख (एक्स-शोरूम) होगी। मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा के अन्य सभी वेरिएंट, जो चार ट्रिम्स में उपलब्ध हैं, जो अपरिवर्तित हैं। ग्रैंड विटारा के टॉप-स्पेक अल्फा प्लस इंटेलिजेंट हाइब्रिड वेरिएंट की कीमत ₹19.97 लाख (एक्स-शोरूम) तक जाती है।

मारुति सुजुकी ने भारत में अपनी सबसे लोकप्रिय हैचबैक में से एक स्विफ्ट की कीमत में भी बढ़ोतरी की है। कार निर्माता ने मॉडल की कीमत में 25,000 रुपये की बढ़ोतरी की है। कार निर्माता ने यह खुलासा नहीं किया है कि हैचबैक के सभी वेरिएंट की कीमतों में बढ़ोतरी होगी या नहीं। उम्मीद है कि मारुति सुजुकी इस साल के अंत में स्विफ्ट का नया संस्करण पेश करेगी।

कानूनी सख्ती के बावजूद क्यों पनप रही है बाल-तस्करी

ललित गर्ग

बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त के अनेक कारण हैं। निसंतान दंपतियों द्वारा बच्चों को खरीदना एकमात्र कारण नहीं है बल्कि गरीबी, अशिक्षा, आर्थिक विषमता, सुविधावादी जीवनशैली, भौतिकवाद, बच्चों की अधिक संख्या, बेरोजगारी भी बड़ा कारण है।

देश की राजधानी दिल्ली में तमाम जांच एजेंसियों की नाक के नीचे नवजात बच्चों की खरीद-फरोश्त की मंडी चल रही थी जहां दूधमुंहे एवं मासूम बच्चों को खरीदने-बेचने का धंधा चल रहा था। दिल्ली की 'बच्चा मंडी' के शर्मनाक एवं खौफनाक घटनाक्रम का पर्दाफाश होना, अमानवीतया एवं संवेदनहीनता की चरम पराकाष्ठा है। जिसने अनेक ज्वलंत सवालों को खड़ा किया है। आखिर मनुष्य क्यों बन रहा है इतना क्रूर, अनैतिक एवं अमानवीय? सचमुच पैसे का नशा जब, जहां, जिसके भी सर चढ़ता है वह इंसान शैतान बन जाता है। दिल्ली के केशवपुरम इलाके में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने छापेमारी कर ऐसे ही शैतानों के कुकृत्यों का भंडाफोड किया और एक महिला समेत सात लोगों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया, इसके साथ ही तीन नवजात शिशुओं को उनके चंगुल से बचाया। आरोपियों में एक अस्सिटेंट लेबर कमिश्नर को इस धंधे का मास्टर माइंड माना जा रहा है। न केवल दिल्ली वालों के लिए बल्कि देशवासियों के लिए यह खबर चिंता पैदा करने वाली ही नहीं है, बल्कि खौफ पैदा करने वाली भी है।

दिल दहाले देने वाली इस घटना में सीबीआई की अब तक की जांच से पता चला है कि आरोपी फेसबुक पेज और व्हाट्सएप ग्रुप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विज्ञापन के माध्यम से बच्चे गोद लेने के इच्छुक निसंतान दंपतियों से जुड़ते थे। आरोपी कथित तौर पर वास्तविक माता-पिता के साथ-साथ सेरोगेट माताओं से भी नवजात बच्चे खरीदते थे। इन नवजात बच्चों को चार से छह लाख रुपए में बेच दिया जाता था। जांच से जुड़े सीबीआई अधिकारियों के अनुसार एजेंसी की गिरफ्त में आए आरोपी बच्चों को गोद लेने से संबंधित फर्जी दस्तावेज तैयार कराते थे। आरोपी कई निसंतान दंपतियों से लाखों रुपए की ठगी करने में भी संलिप्त हैं। इस गिरोह के तार कहां-कहां हैं इसकी भी कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। यह गिरोह आईवीएफ के माध्यम से युवतियों को गर्भधारण कराता था फिर इन शिशुओं को बेचता था। गरीब माता-पिता से भी बच्चे खरीदे जाते थे। बच्चों की खरीद-फरोख्त और बच्चों की तस्करी एक ऐसी समस्या है जिस पर तभी ध्यान जाता है जब कोई सनसनीखेज खबर सामने आती है।

अर्थ की अंधी दौड़ में इंसान कितने क्रूर एवं अमानवीय घटनाओं को अंजाम देने लगा है कि चेहरे ही नहीं चरित्र तक अपनी पहचान खोने लगे हैं। नीति एवं निष्ठा के केन्द्र बदलने लगे हैं।

मानवीयता एवं नैतिकता की नींव कमजोर होने लगी है। आदमी इतना खुदगर्ज बन जाता है कि उसकी सारी संवेदनाएं सूख जाती है। बाल तस्करी के खिलाफ कई सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद भारत में यह समस्या नासूर बनती जा रही है। नवजात बच्चे चुराने वाले गिरोह के पर्दाफाश से फिर यह तथ्य उभरा है कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों में कानून का कोई खौफ नहीं है। बच्चों की तस्करी पर भारी जुर्माने के साथ उम्रकैद तक का प्रावधान होने के बावजूद यह कड़वी हकीकत है कि ऐसे दस फीसदी से भी कम मामले दोषियों को सजा तक पहुंच पाते हैं। मुकदमों की पैरवी सही तरीके से नहीं होने के कारण अपराधी बच निकलते हैं और वे फिर बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त में लिप्त हो जाते हैं।

बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त के अनेक कारण हैं। निसंतान दंपतियों द्वारा बच्चों को खरीदना एकमात्र कारण नहीं है बल्कि गरीबी, अशिक्षा, आर्थिक विषमता, सुविधावादी जीवनशैली, भौतिकवाद, बच्चों की अधिक संख्या, बेरोजगारी भी बड़ा कारण है। पैसे की अपसंस्कृति ने अपराधों को अनियंत्रित किया है। पैसे कमाने के लिए कई लोग बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद-फरोश्त के व्यापार में लग गए हैं। वो गरीब लोगों को बहकाकर उनके बच्चों को काम दिलवाने का झांसा देकर शहर ले जाते हैं फिर शहर में जाकर उन बच्चों को बेचा जाता है फिर शुरू होता है बच्चों के शोषण का अंतहीन सिलसिला। जो बच्चे खो जाते हैं उनको अपराधी अगवा कर बेच देते हैं। लड़कियों को देह व्यापार के लिए विवश किया जाता है। हजारों बच्चों को फैक्ट्रियों में बंधुआ मजदूर बना दिया जाता है। 16-16 घंटे काम कराके इन को भर पेट खाना भी नसीब नहीं होता। इन सब कारणों से देश का बचपन कराह रहा है।

देश में युवाओं के एक वर्ग की सोच में बदलाव भी परोक्ष रूप से बाल-तस्करी को बढ़ावा दे रहा है। एक सर्वे में खुलासा हुआ था कि भारत के नौ फीसदी युवा शादी तो करना चाहते हैं लेकिन बच्चे नहीं पैदा करना चाहते। संतान सुख के लिए उन्हें बच्चे खरीदने से परहेज नहीं है। हैरत की बात यह है कि देश के ढाई करोड़ से ज्यादा अनाथ बच्चों में से किसी को गोद लेने का विकल्प होने के बावजूद ऐसे युवा कई बार बाल तस्करी करने वालों से संपर्क तक साध लेते हैं। बाल-तस्करी भारत की एक उभरती एवं ज्वलंत समस्या है। यह केवल भारत की ही नहीं, दुनिया की बड़ी समस्या है। पिछले साल एक एनजीओ की रिपोर्ट में बताया गया था कि 2016 से 2022 के बीच बाल तस्करी के सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए, जबकि आंध्र प्रदेश और बिहार क्रमशः दूसरे, तीसरे नंबर पर थे। इस अवधि में मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तेलंगाना में भी कई मामले दर्ज हुए। कोरोना काल के बाद दिल्ली में बाल तस्करी के मामलों में 68 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। यह भी देखने में आया कि जिलों की बाल तस्करी से जुड़े मामलों में जयपुर पहले स्थान पर रहा।

पिछले साल संसद में पेश राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश में 2021 में हर दिन औसतन आठ बच्चों की तस्करी हुई। देश के ही भीतर यह तस्करी होती है लेकिन संगठित गिरोह कुछ बच्चों की खाड़ी और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में भी तस्करी करते हैं। एनसीआरबी के मुताबिक 2019 से 2021 के बीच देश में 18 साल से कम उम्र की 2.51 लाख लड़कियां लापता हुई। इनमें से ज्यादातर मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा की थी।

बचपन अगर बाल तस्करी के बीच फंसकर रह जाए तो बच्चा अपने बचपन, क्षमता और मानवीय गरिमा के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक विकास से भी वंचित रह जाता है। गौरतलब है कि बच्चों के घरेलू काम, विभिन्न क्षेत्रों में बाल श्रम, भीख मांगना, अंग तस्करी और व्यावसायिक यौनकर्म जैसी अवैध गतिविधियां बाल तस्करी की कोख से ही जन्म लेती हैं। सरकार और समाज को इससे मिलकर निपटना होगा। इस समस्या की जड़ में गरीबी भी है। इसे ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यावहारिक और ठोस नीति बनाई जानी चाहिए कि बाल तस्करी के समूल उन्मूलन की जमीन तैयार हो सके।

इसे देश की विडंबना कहें या दुर्भाग्य कि आज बहुत से अजन्मे मासूम तो मां के गर्भ में आते ही जीवन-मृत्यु से जूझने लगते हैं। जन्म लेने के बाद इस देश में बच्चों को बेच दिया जाता है या ऐसे बच्चों का एक बहुत बड़ा वर्ग चौराहों, रेलवे स्टेशन, गली-मोहल्ले में भीख मांगता मिल जाएगा। बहुत सारे बच्चों का बचपन होटलों पर काम करते या जूठे बर्तन धोते हुए या फिर काल कोठरियों में जीवन बिताते हुए कट जाता है। यों भी कह सकते हैं कि उनका जीवन आज अंधेरे में कट रहा है, दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत का बचपन आर्थिक कारणों से घायल है। बच्चे को बेचे और खरीदे जाने में जितने लोग, जिस तरह शामिल होते थे, वह नये बनते भारत के भाल पर एक बदनुमा दाग है। क्यों कानून का डर ऐसे अपराधियों को नहीं होता? क्यों सरकारी एजेंसियों की सख्ती भी काम नहीं आ रही है और लगातार ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यहां प्रश्न कार्रवाई का नहीं है, प्रश्न है कि ऐसी विकृत एवं अमानवीय सोच क्यों पनप रही है?

संपादक की कलम से

भारत-बहिष्कार की सियासत

समूचे बांग्लादेश को याद रखना चाहिए कि यदि वह अस्तित्व में है, तो भारत की बदौलत है। 1971 में बांग्लादेश की मुक्ति का युद्ध भारतीय सेना ने लड़ा था और पाकिस्तान के 90,000 से अधिक फौजियों को आत्म-समर्पण के लिए विवश किया था। मुक्ति-संग्राम के दौरान शेख मुजीबुर्रहमान को भारत ने ही संरक्षण दिया था। जब बांग्लादेश बनने के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति शेख मुजीब और परिजनों के कत्ल किए गए थे, तब मौजूदा प्रधानमंत्री हसीना को भी भारत ने ही शरण देकर उनकी जान बचाई थी। प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद बुनियादी, मानसिक और सैद्धांतिक रूप से 'भारतवादी' हैं। वैसे भी ढाका और दिल्ली के सांस्कृतिक और कारोबारी रिश्ते ब्रिटिशकालीन हैं। चूंकि शेख हसीना एक बार फिर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री चुनी गई हैं, अवाम ने कट्टरपंथी, दहशतगर्द ताकतों को खारिज कर जनादेश दिया है कि उन्हें जेल में ही सड़ने दें, लिहाजा भारत पर तोहमतें चस्पा की जा रही हैं कि हसीना को चुनाव जिताने में भारत सरकार की दखल भूमिका रही है। यह सरासर गलत है। भारत ने तो तब भी बांग्लादेश की अंदरूनी सियासत में हस्तक्षेप नहीं किया था, जब वहां सैन्य वर्चस्व बढ़ रहा था। अब विरोध प्रधानमंत्री शेख हसीना का है, लेकिन अभियान 'बॉयकॉट इंडिया' का छेड़ रखा है। भारतीय उत्पादों का बहिष्कार किया जाए, विपक्ष की 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' (बीएनपी) ने भारत के प्रत्यक्ष बहिष्कार का नकारात्मक आह्वान कर रखा है।

यह घोर निंदनीय है। लगता है बीएनपी के नेता और काडर को इतिहास की जानकारी नहीं है और न ही उन्हें बांग्लादेश के अस्तित्व के लिए भारत के आर्थिक और सामरिक सहयोग का एहसास है। वैसे बीएनपी के भारत-बहिष्कार का मुंहतोड़ जवाब प्रधानमंत्री हसीना ने विपक्ष को दिया है। उन्होंने विपक्षी नेताओं को कहा है कि वे अपनी पत्नियों की साडियां जलाएं। उनकी पत्नियों के पास कितनी साडियां हैं और उन्होंने अभी तक उन्हें आग के हवाले क्यों नहीं किया? प्रधानमंत्री हसीना ने पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपी को चुनौती दी है, जब विपक्षी नेता अपनी पत्नियों की भारतीय साडियां अपने पार्टी दफ्तर के सामने जलाएंगे, तब यह साबित होगा कि वे वाकई भारतीय उत्पादों का बहिष्कार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री हसीना का गंभीर आरोप है कि जब बीएनपी सत्ता में थी, तो उनके नेता और पत्नियां भारत जाते थे। वहां से साडियां खरीद कर लाते थे और बांग्लादेश में लौट कर साडियां बेचा करते थे। अब बीएनपी नेताओं को भारतीय उत्पादों पर क्या कहना है? दरअसल भारत से गरम मसाला, प्याज, लहसुन, अदरक और लगभग सभी मसाले बांग्लादेश को भेजे जाते रहे हैं। प्रधानमंत्री हसीना का सवाल है कि क्या भारतीय मसाले बीएनपी नेताओं के घरों में नहीं दिखेंगे?

अथवा बीएनपी नेता और उनके परिवार इन मसालों के बिना ही भोजन खाएंगे? भारत के ढेरों उत्पाद बांग्लादेश में आते हैं, किस-किस का बहिष्कार किया जाएगा? दरअसल यदि बांग्लादेश चाहे, तो भी भारत का बहिष्कार नहीं कर सकता, क्योंकि वहां भारतीय उत्पादों की भरमार है। भारतीय उत्पादों का बहिष्कार व्यावहारिक और सैद्धांतिक तौर पर भी अनुचित है। यह संकीर्ण अभियान बीएनपी के एक नेता की स्वार्थी राजनीति के तौर पर छेड़ा गया था, जिसने भारतीय, कश्मीरी शॉल कंधे से उतार फेंका था। 'हैशटैग इंडिया आउट' और 'बॉयकॉट इंडियन प्रोडक्ट्स' के जुमलों की सियासत आखिर क्या है? उसे जनमत तो हासिल नहीं है और न ही व्यापक स्वीकृति मिली है। बेशक बांग्लादेश में भारतीय साडियों के प्रति स्वाभाविक लगाव है। प्रधानमंत्री हसीना को भी ये साडियां खूब पसंद हैं। क्या हसीना-विरोध के लिए बहिष्कार के मुद्दे पर अवाम को उकसाया जा रहा है? इसी तर्ज पर मालदीव चल रहा है। सवाल है कि क्या कोई देश बहिष्कार के आधार पर ही प्रगति कर सकता है?

राय

पाकिस्तान में वैष्णो देवी जैसा है मंदिर, अमरनाथ की चढ़ाई से भी है कठिन रास्ता, आरती में मुस्लिम होते हैं शामिल, कई देशों से आते हैं लोग

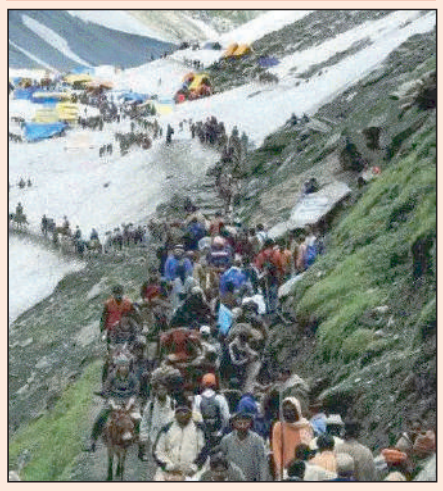

क्या आप जानते हैं कि पाकिस्तान में एक ऐसा मंदिर है, जिसकी यात्रा अमरनाथ से भी अधिक कठिन। इसके बावजूद दोनों नवरात्रि में यहां सबसे अधिक भीड़ लगती है। दुनिया के अलग-अलग देशों से लोग हिंगलाज माता का दर्शन करने के लिए यहां आते हैं। हिंगलाज मंदिर दुनिया के 51 शक्तिपीठों में से एक है। नवरात्रों में इस मंदिर में ठीक वैसे ही पूजा की जाती हैं, जैसे भारत के मंदिरों में की जाती है। ये मंदिर पाकिस्तानके बलूचिस्तान में स्थित है।

हिंगलाज मंदिर को लेकर मान्यताएं

हिंगलाज मंदिर हिंगोल नदी के तट पर स्थित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार पिता के अपमान से दुखी होकर सती ने खुद को हवनकुंड में अर्पण कर दिया था। पत्नी के वियोग में क्रोधित होकर भगवान शिव सती ते शव को कंधे में उठाकर तांडव करने लगे। भगवान शिव को रोकने के लिए भगवान विषणु ने चक्र चलाकर सती के 51 टुकड़े कर दिया था। माता के शरीर के टुकड़े जहां-जहां गिरे उस जगह को शक्तिपीठ का नाम दिया गया। सती के शरीर का पहला भाग यानी सिर किर्थर पहाड़ी पर गिरा था। इसे ही हिंगलाज मंदिर के नाम से जाना जाचा है। इसके जिक्र शिव पुराण से लेकर कालिका पुराण तक में में मिलता है।

क्यों अमरनाथ से अधिक कठिन है हिंगलाज महरानी की यात्रा

इस मंदिर को लेकर कहा जाता है कि इसकी यात्रा अमरनाथ से भी अधिक कठिन होती है। यहां सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम नही होते हैं। यही वजह है कि लोग यहां 30-40 लोगों का ग्रुप बनाकर ही यात्रा करते हैं। कोई भी यात्रि 4 पड़ाव और 55 किलोमीटर की पैदल यात्रा करके हिंगलाज पहुंचते हैं। बता दें कि 2007 से पहले यहां पहुंचने के लिए 200 किलोमीटर पैदल चलना होता था। इसमें 2 से 3 महीने तक का समय लगा जाता था।

इस मंदिर को हज मानते हैं पाकिस्तान के मुस्लिम

हिंगलाज महारानी का ये मंदिर पाकिस्तान के सबसे बड़ें हिंदू बाहुल्य इलाके में स्थित है। यहां हिंदू-मुस्लिम का कोई अंतर है। पाकिस्तान के मुस्लिम लोग इसे हज मानते हैं। कई बार आरती के समय मुस्लिम लोग हाथ जोड़कर खड़े रहते हैं।

सामाजिक-आर्थिक विकास का वाहक बन रहा है मध्यम वर्ग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मध्यम आय वर्ग में इजाफा होने का मतलब साफ-साफ यह हो जाता है कि देश की अर्थ व्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। इसे यों समझा जा सकता है कि मध्यम आय वर्ग या दूसरे अर्थ में हम मध्यम वर्ग की बात करें तो जीवन जीने का कोई आनंद लेता है तो वह मध्यम वर्ग ही है।

माने या ना माने पर इसमें कोई दो राय नहीं कि किसी भी देश के आर्थिक-सामाजिक विकास में मध्यम वर्ग की प्रमुख भूमिका रही है। यह केवल हमारे देश के संदर्भ में ही नहीं अपितु समूचे विश्व की बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं का अध्ययन किया जाएगा तो कारण यही सामने आएगा। सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव में मध्यम वर्ग की प्रमुख भूमिका रही है। औद्योगिक क्रांति के बाद जिस तरह से श्रमिक वर्ग उभर कर आया तो औद्योगिक क्रांति का ही बाई प्रोडक्ट मध्यम वर्ग का उत्थान माना जा सकता है। आर्थिक विश्लेषकों की माने तो आर्थिक विकास का कोई ग्रोथ इंजन है तो वह मध्यम वर्ग है। ज्यादा दूर नहीं जाए और केवल वर्तमान दशक की शुरुआत बल्कि 2021 की ही बात करें तो देश में 30 फीसद परिवार मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में आ गए थे। ऐसा माना जा रहा है कि 2031 तक यह आंकड़ा बढ़कर 46 फीसद को छू जाएगा। यानी की इस दशक में बचे साढ़े पांच साल में भी मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में तेजी से सुधार होगा। 2021 में जहां 9.1 करोड़ परिवार मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में थे वहीं 2031 तक यह संख्या बढ़कर 16.9 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया है। किसी भी देश और उसकी अर्थ व्यवस्था के लिए यह अपने आप में किसी बढ़ी उपलब्धि से कम नहीं आंकी जा सकती। विशेषज्ञों के अनुसार 5 लाख से 38 लाख सालान आय वाले परिवारों को मध्यम आय वर्ग श्रेणी में माना गया है। यह भी समझना होगा कि मध्यम वर्ग का विस्तार का सीधा सीधा अर्थ गरीबी रेखा से लोगों का बाहर आना और बाजारु गतिविधियों में तेजी आने का कारण मध्यम वर्ग ही है। मांग और आपूर्ति को भी मध्यम वर्ग के संदर्भ में ही देखा और समझा जा सकता है।

मध्यम आय वर्ग में इजाफा होने का मतलब साफ-साफ यह हो जाता है कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। इसे यों समझा जा सकता है कि मध्यम आय वर्ग या दूसरे अर्थ में हम मध्यम वर्ग की बात करें तो जीवन जीने का कोई आनंद लेता है तो वह मध्यम वर्ग ही है।

मध्यम वर्ग के लोग जीवन को जीने में विश्वास रखते हैं भले ही उन्हें ऋणं कृत्वा घृतं पीबेत की मानसिकता के अनुसार जीवन यापन करना पड़ें। यही कारण है कि मध्यम वर्ग दिल खोलकर पैसा खर्च करता है। इसका एक कारण सामाजिक ताने बाने की भाषा में हम कहें तो यह कहा जा सकता है कि बहुत कुछ वह दिखावें के लिए करता है। जीवन यापन की दिखावे की इस प्रतिस्पर्धा में वह वो सब कुछ पाना चाहता है जो उसके परिवार, पड़ोसी, मित्रगण या आसपास के लोगों के पास है। इसमें रहन-सहन, खान-पान, पहनना-ओढ़ना, शिक्षा और इसी तरह की अन्य वस्तुओं/साधनों को प्राप्त करना मध्यम वर्ग का ध्येय रहता है और इसी कारण बाजार में नित नए उत्पादों की मांग बढ़ती है तो देष के लोगों के जीवन स्तर का पता चलता है।

दरअसल मध्यम वर्ग व्हाईट कॉलर का प्रतिनिधित्व करता है। वह इस प्रयास में रहता है कि दिन प्रतिदिन वह अधिक से अधिक साधन जुटाएं, भले ही उसके लिए उसे उधार का सहारा लेना पड़े। यहां यह भी समझ लेना जरुरी हो जाता है कि उच्च आय वर्ग की अपनी समझ व पहुंच होती है। पहली बात तो उच्च आय वर्ग की दायरें में कम लोग है। उनकी पसंद ना पसंद अलग होती है। उनके लिए जो उत्पाद बाजार में आएंगे वो अलग श्रेणी के होंगे। मध्यम वर्ग लगभग उसी दौड़ में दौड़ने का प्रयास करता है। उच्च वर्ग के पास लक्जिरियस चौपहिया वाहन है तो उसकी मांग पहले चरण में चौपहिया वाहन व उसके बाद ज्यों ज्यों वह थोड़ा आगे बढ़ना चाहेगा अपनी पहुंच के सुविधाजनक चौपहिया वाहन पाने की कोशिश में जुट जाएगा। इसी तरह से बाजार की मांग को मध्यम वर्ग ही बढ़ाता है। तस्वीर हमारे सामने हैं। ज्यादा पुरानी बात नहीं दो दशक ही हुए होंगे कि घरों में पंखों की जगह कूलरों ने ली और कूलरों में भी हैसियत अनुसार ब्राण्डेड कंपनियों से लेकर लोकल कंपनियों के कूलरों ने घरों में जगह बनाई। आज तस्वीर का दूसरा पहलू सामने आ गया है जिस एयर कण्डीशनर के लिए केवल सोचा जा सकता था वह आज घर घर में पहुंच गया है। कम से कम एक एसी तो मध्यम वर्गीय परिवार में देखने को आसानी से मिल जाएगा। इसे यों समझा जा सकता है कि मध्यम वर्ग के विस्तार के अनुसार बाजार में मांग बढ़ी तो नित नई कंपनियां बाजार में आई और इससे अर्थ व्यवस्था को गति मिलने के साथ ही रोजगार के अवसर बढ़े। यह तो एक उदाहरण मात्र है। देखा जाए तो फास्टफूड हो या कंफेक्सरी या शॉफ्ट ड्रिंक या इसी तरह की अन्य खाने पीने की चीजें इसको बाजार मिला है तो इसका श्रेय मध्यम वर्ग को ही जाता है। पर्सनल केयर आइटम्स की मांग और आपूर्ति भी मध्यम वर्ग के कारण ही बढ़ी है। आज ओन लाईन का जो बाजार खड़ा हुआ है उसको गति दी है तो वह मध्यम आय वर्ग के लोगों ने ही दी है। स्कूटर, स्कूटी, कार से लेकर वाहनों की जो रेलम पेल देखी जा रही है वह इस मध्यम वर्ग के कारण ही है। रियल स्टेट जिस तरह से आगे बढ़ रहा है और गगनचुंबी इमारतों का जिस तरह से जाल बिछ रहा है वह मध्यम वर्ग के कारण ही संभव हो पा रहा है। यही कारण है कि आज देशी विदेशी कंपनियां मध्यम वर्ग को केन्द्रीत कर अपने उत्पादों को बाजार में उतार रही है। सही मायने में कहा जाये तो जिसने मध्यम वर्ग की मांग को समझा वह मालामाल होता जा रहा है और उसकी बाजार में पकड़ तेज होती जा रही है। ऐसे में यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि तेजी से बढ़ती अर्थ व्यवस्था का बहुत कुछ श्रेय मध्यम वर्ग को जाता है।

भगवान शिव की मुंड माला में किसके मुंड है

भगवान शिव और सती का अद्भुत प्रेम शास्त्रों में वर्णित है। इसका प्रमाण है सती के यज्ञ कुण्ड में कूदकर आत्मदाह करना और सती के शव को उठाए क्रोधित शिव का तांडव करना। हालांकि यह भी शिव की लीला थी क्योंकि इस बहाने शिव 51 शक्ति पीठों की स्थापना करना चाहते थे।र भगवान शिव और सती का अद्भुत प्रेम शास्त्रों में वर्णित है। इसका प्रमाण है सती के यज्ञ कुण्ड में कूदकर आत्मदाह करना और सती के शव को उठाए क्रोधित शिव का तांडव करना। हालांकि यह भी शिव की लीला थी क्योंकि इस बहाने शिव 51 शक्ति पीठों की स्थापना करना चाहते थे। शिव ने सती को पहले ही बता दिया था कि उन्हें यह शरीर त्याग करना है। इसी समय उन्होंने सती को अपने गले में मौजूद मुंडों की माला का रहस्य भी बताया था।

मुण्ड माला का रहस्य

एक बार नारद जी के उकसाने पर सती भगवान शिव से जिद करने लगी कि आपके गले में जो मुंड की माला है उसका रहस्य क्या है। जब काफी समझाने पर भी सती न मानी तो भगवान शिव ने राज खोल ही दिया। शिव ने पार्वती से कहा कि इस मुंड की माला में जितने भी मुंड यानी सिर हैं वह सभी आपके हैं। सती इस बात का सुनकर हैरान रह गयी। सती ने भगवान शिव से पूछा, यह भला कैसे संभव है कि सभी मुंड मेरे हैं। इस पर शिव बोले यह आपका 108 वां जन्म है। इससे पहले आप 107 बार जन्म लेकर शरीर त्याग चुकी हैं और ये सभी मुंड उन पूर्व जन्मों की निशानी है। इस माला में अभी एक मुंड की कमी है इसके बाद यह माला पूर्ण हो जाएगी। शिव की इस बात को सुनकर सती ने शिव से कहा मैं बार-बार जन्म लेकर शरीर त्याग करती हूं लेकिन आप शरीर त्याग क्यों नहीं करते। शिव हंसते हुए बोले 'मैं अमर कथा जानता हूं इसलिए मुझे शरीर का त्याग नहीं करना पड़ता।' इस पर सती ने भी अमर कथा जानने की इच्छा प्रकट की। शिव जब सती को कथा सुनाने लगे तो उन्हें नींद आ गयी और वह कथा सुन नहीं पायी। इसलिए उन्हें दक्ष के यज्ञ कुंड में कूदकर अपने शरीर का त्याग करना पड़ा। शिव ने सती के मुंड को भी माला में गूंथ लिया। इस प्रकार 108 मुंड की माला तैयार हो गयी। सती ने अगला जन्म पार्वती के रूप में हुआ। इस जन्म में पार्वती को अमरत्व प्राप्त होगा और फिर उन्हें शरीर त्याग नहीं करना पड़ा।

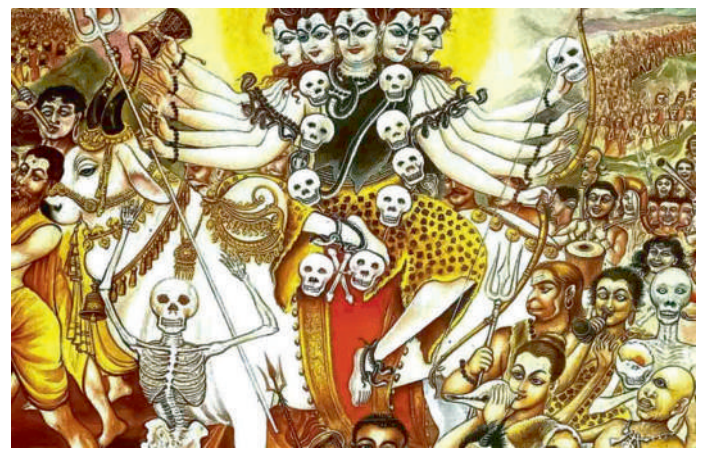

लगातार तीसरे सत्र में सोना, चांदी रिकॉर्ड पार; 72 हजार रुपये पर पहुंची कीमत

देश की राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत 160 रुपये बढ़कर 72000 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मंगलवार को यह रिकॉर्ड 71840 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत 200 रुपये चढ़कर रिकॉर्ड 84700 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हाजिर सोना 2356 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।...

नई दिल्ली। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने बताया कि सोने और चांदी की कीमतें बुधवार को लगातार तीसरे सत्र में उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, विदेशी बाजारों में मजबूत संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी में पीली धातु 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गई।

राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 160 रुपये बढ़कर 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मंगलवार को यह रिकॉर्ड 71,840 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

इसी तरह चांदी की कीमत 200 रुपये चढ़कर रिकॉर्ड 84,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटी के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, विदेशी बाजारों में तेजी के रुख के बीच दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमतें (24 कैरेट) 160 रुपये की तेजी के साथ 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमत

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 2,356 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद से 6 अमेरिकी डॉलर अधिक है। गांधी ने कहा, बुधवार को यूरोपीय कारोबारी घंटों में सोने की कीमतों में बढ़ोतरी हुई।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के कमोडिटी रिसर्च के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवनीत दमानी ने कहा कि सोना और चांदी अब तक के उच्चतम स्तर के आसपास मंडरा रहे हैं, क्योंकि भू-राजनीतिक तनाव और प्रत्याशा के बीच मार्च के लिए यूएस सीपीआई मुद्रास्फीति और ब्याज दरों पर धातुओं की सुरक्षित मांग बनी हुई है।

2024 में मॉल और हाई स्ट्रीट में रिटेल स्पेस की मांग हो सकती है कम

शॉपिंग मॉल और हाई-स्ट्रीट स्थानों में रिटेल स्पेस की मांग 2023 कैलेंडर वर्ष में रिकॉर्ड 71 लाख वर्ग फुट से इस साल 15 प्रतिशत तक घट सकती है क्योंकि खुदरा विक्रेता सतर्क रूप से आशावादी हैं। कई उच्च-गुणवत्ता वाले मॉल विकास के पूरा होने पर स्पेस खुदरा की स्थिर आपूर्ति की भी उम्मीद करता है।

नई दिल्ली। सीबीआरई के अनुसार, शॉपिंग मॉल और हाई-स्ट्रीट स्थानों में रिटेल स्पेस की मांग 2023 कैलेंडर वर्ष में रिकॉर्ड 71 लाख वर्ग फुट से इस साल 15 प्रतिशत तक घट सकती है, क्योंकि खुदरा विक्रेता सतर्क रूप से आशावादी हैं।

आठ प्रमुख शहरों में शॉपिंग मॉल और हाई स्ट्रीट स्थानों में रिटेल स्पेस की लीजिंग 2023 में 48 प्रतिशत बढ़कर 71 लाख (7.1 मिलियन) वर्ग फीट हो गई, जबकि 2022 कैलेंडर वर्ष के दौरान यह 48 लाख (4.8 मिलियन) वर्ग फीट थी।

अपनी रिपोर्ट '2024 इंडिया मार्केट आउटलुक' में सीबीआरई के रियल एस्टेट सलाहकार ने अनुमान लगाया है कि 2024 में खुदरा स्थान की लीजिंग 6-6.5 मिलियन (60-65 लाख) वर्ग फुट के बीच रहने की उम्मीद है। कई उच्च-गुणवत्ता वाले मॉल विकास के पूरा होने पर स्पेस खुदरा की स्थिर आपूर्ति की भी उम्मीद करता है।

मजबूत उपभोक्ता मांग से खुदरा क्षेत्र में वृद्धि

सलाहकार ने कहा कि टियर-I शहरों में लगभग 5-6 मिलियन (50-60 लाख) वर्ग फुट निवेश-ग्रेड मॉल स्पेस चालू हो जाएगा।

सीबीआरई के अध्यक्ष और सीईओ भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका, अंशुमन मैगजीन ने कहा कि मजबूत उपभोक्ता मांग से प्रेरित होकर, भारत के खुदरा क्षेत्र में 2023 में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

2024 को देखते हुए आशावादी खुदरा विक्रेता और उपभोक्ता दोनों सावधानी बरत रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां टियर-I शहर प्रमुख विस्तार केंद्र बने हुए हैं और वहीं टियर-II बाजार नए खिलाड़ियों को आकर्षित कर रहे हैं।

ऑनलाइन और ऑफलाइन फॉर्मेट में विस्तार

2024 में, रिटेल कैटेगरी के बीच, होम डेकोर सेगमेंट का ऑनलाइन और ऑफलाइन फॉर्मेट में विस्तार होने की संभावना है, जबकि फैशन और परिधान खिलाड़ी मॉल और हाई स्ट्रीट वाले टियर-I शहरों में विस्तार करना जारी रखेंगे।

घरेलू आभूषण ब्रांडों का भी विस्तार जारी रहने की उम्मीद है। मनोरंजन श्रेणी में उपभोक्ताओं की बढ़ती रुचि से लीजिंग में भी अधिक रुझान आने की संभावना है।

रिपोर्ट ने संकेत दिया कि एंकर किरायेदारों और स्थापित ब्रांडों सहित खुदरा विक्रेता विस्तार योजनाओं से सतर्क रहेंगे।

रिपोर्ट में कहा गया कि वे (खुदरा विक्रेता) उच्च दृश्यता, मजबूत पैदल यातायात और अनुकूल उपभोक्ता जनसांख्यिकी वाले स्थानों को प्राथमिकता देंगे। परिणामस्वरूप, प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्थानों पर किराये की वृद्धि तर्कसंगत होने की उम्मीद है।

Icra ने बैंकिंग क्षेत्र के लिए अपने दृष्टिकोण को 'सकारात्मक' से किया 'स्थिर'

परिवहन विशेष न्यूज

इक्रा ने बुधवार को ऋण वृद्धि और लाभप्रदता में नरमी की उम्मीदों पर बैंकिंग क्षेत्र के लिए अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक से घटाकर स्थिर कर दिया। एजेंसी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में ऋण वृद्धि घटकर 11.6-12.5 प्रतिशत हो जाएगी जो वित्त वर्ष 24 में 16.3 प्रतिशत (एचडीएफसी ट्विन विलय के प्रभाव को छोड़कर) थी।

नई दिल्ली। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा ने बुधवार को ऋण वृद्धि और लाभप्रदता में नरमी की उम्मीदों पर बैंकिंग क्षेत्र के लिए अपने दृष्टिकोण को 'सकारात्मक' से घटाकर 'स्थिर' कर दिया। एजेंसी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में ऋण वृद्धि घटकर 11.6-12.5 प्रतिशत हो जाएगी, जो वित्त वर्ष 24 में 16.3 प्रतिशत (एचडीएफसी ट्विन विलय के प्रभाव को छोड़कर) थी, जबकि उच्च जमा दर भुगतान पर कम शुद्ध ब्याज आय मार्जिन में मुनाफे में गिरावट आएगी।

इसके उपाध्यक्ष सचिन सचदेवा ने बताया कि परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, उसे मार्च 2025 तक बैंकिंग प्रणाली के लिए सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात में 2.2 प्रतिशत की कमी आने की उम्मीद है, जो मार्च 2024 में 3 प्रतिशत होने की संभावना है।

असुरक्षित ऋण देने पर आरबीआई के अंकुश

सचदेवा ने कहा कि सितंबर 2011 के बाद यह सबसे निचला स्तर होगा। एजेंसी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में गैर-बैंक वित्तीय कंपनियों को असुरक्षित खुदरा अग्रिम और ऋण धीमा हो जाएगा, जिससे सिस्टम में समग्र गैर-खाद्य ऋण वृद्धि में गिरावट आएगी।

नवंबर में जोखिम भार बढ़ाकर असुरक्षित ऋण देने पर आरबीआई के अंकुश के कारण ऐसे ऋणों के वृद्धिशील वितरण में पहले के 29.4 प्रतिशत से 23 प्रतिशत की कमी आई है, ऐसा बताया गया है।

हालांकि, वित्त वर्ष 2015 में जमा जुटाने की चुनौतियां जारी रहेंगी और बैंकों को धन आकर्षित करने के लिए जमा दरों में बढ़ोतरी करनी होगी, एजेंसी ने कहा, क्रेडिट जमा अनुपात, जो कथित तौर पर हाल ही में नियामक के दायरे में आया है।

एजेंसी ने कहा कि उसे वित्त वर्ष 2025 में क्रेडिट और जमा वृद्धि के बीच 'अभिसरण' की उम्मीद है, जो वर्तमान में मौजूद चार प्रतिशत अंक के अंतर को देखते हुए सिस्टम के लिए सहायक होगा।

कम लागत वाली चालू और बचत खाता जमा की हिस्सेदारी भी कम हो जाएगी क्योंकि ग्राहक अधिक फायदें वाली सावधि जमा को प्राथमिकता देना जारी रखेंगे। इसमें कहा गया है कि इससे बैंकों के शुद्ध ब्याज मार्जिन (NIM) पर दबाव पड़ेगा।

इसके वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता ने कहा कि एनआईएम पिछले दो वर्षों से दबाव में है और जमा दरों में बढ़ोतरी के प्रभाव के कारण वित्त वर्ष 2025 में इसमें और कमी आएगी। एजेंसी ने वित्त वर्ष 24 के पहले नौ महीनों के दौरान देखे गए प्रदर्शन की ओर इशारा करते हुए कहा, जहां संख्याएं ज्ञात हैं, इससे लाभप्रदता पर असर पड़ेगा।

इसमें कहा गया है कि परिचालन व्यय में वृद्धि से भी मुनाफे पर असर पड़ेगा। एजेंसी ने कहा कि हालांकि, क्रेडिट लागत, अतीत में मुनाफे को प्रभावित करने वाली एक प्रमुख संख्या, वित्त वर्ष 2025 के लिए सौम्य होने की उम्मीद है, परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर लाभ के कारण, और लाभ वृद्धि को नुकसान पहुंचाने वाले अन्य कारकों के प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी।

अपेक्षित क्रेडिट हानि-आधारित प्रावधान सिस्टम

FY24 के लिए उपलब्ध आंकड़ों में, निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में राज्य-संचालित ऋणदाता ताजा स्लिपेज अभिवृद्धि पर बेहतर सामने आए हैं, जिन्हें अन्यथा अधिक दुबला और मेहनती माना जाता है।

गुप्ता ने बताया कि कॉर्पोरेट अग्रिमों के एक बड़े हिस्से ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को निजी क्षेत्र के बैंकों के मुकाबले फिसलन पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की है, जिनका खुदरा और छोटे व्यवसाय ऋणों पर अधिक ध्यान है।

इनसाइड

PhonePe ने eSewa और HAN Pokhara के साथ की साझेदारी, नेपाल में बेहतर होगी ऐप की सेवा

PhonePe ने eSewa और HAN पोखरा के साथ साझेदारी की है जिससे नेपाल में यूपीआई पेमेंट को आसान बनाया जाए और इसे प्रमोट किया जा सके। यह साझेदारी फेवा न्यू ईयर फेस्टिवल का एक हिस्सा है जो नेपाल में 11-14 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में 3000 से अधिक व्यापारी भाग लेंगे और 100000 से अधिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है।

नई दिल्ली। फिनटेक फर्म फोनपे ने बुधवार को कहा कि उसने हिमालयी देश के भुगतान प्रोसेसर फोनपे नेटवर्क पर यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए नेपाल की डिजिटल वॉलेट सेवा ईसेवा और होटल एसोसिएशन ऑफ नेपाल (एचएएन) पोखरा के साथ साझेदारी की है।

फेवा न्यू ईयर फेस्टिवल में किया आगाज

यह साझेदारी फेवा न्यू ईयर फेस्टिवल का एक हिस्सा है जो नेपाल में 11-14 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में 3,000 से अधिक व्यापारी भाग लेंगे और 1,00,000 से अधिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है। फोनपे ने एक बयान में कहा कि वह ग्राहकों के लिए डिजिटल भुगतान की सुविधा का प्रदर्शन करते हुए स्थानीय व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ऑन-ग्राउंड सक्रियण चलाएगी।

PM Kisan Yojana की 17वीं किस्त का लेना चाहते हैं फायदा, इन स्टेप को फॉलो करके ऐसे करें आवेदन

परिवहन विशेष न्यूज

PM Kisan Samman Nidhi Yojana भारत सरकार ने किसानों को आर्थिक लाभ देने के लिए पीएम किसान सम्मान निधि योजना (PM Kisan Samman Nidhi Yojana) शुरू की है। इस योजना का लाभ करोड़ों किसानों को मिल गया है। अब किसान योजना की 17वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। योजना का लाभ पाने के लिए यहां जानें कि आवेदन करने का प्रोसेस क्या है

नई दिल्ली। देश में कृषि वर्ग के विकास के लिए सरकार कई कदम उठा रही है। किसानों के विकास के लिए सरकार कई तरह के लाभकारी और कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। इन योजना में से एक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (PM Kisan Samman Nidhi Yojana) है।

इस योजना में किसानों को सालाना 6,000 रुपये की राशि मिलती है। यह राशि किस्तों के तौर पर मिलती है। हर किस्त में किसानों के अकाउंट में 2,000 रुपये की राशि आती है। सरकार ने 28 फरवरी 2024 को किसानों के अकाउंट में पीएम किसान योजना की 16वीं किस्त जारी की थी। अब देश के करोड़ों किसान 17वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं।

अगर आप भी पीएम किसान का लाभ उठाना चाहते हैं तो आपको इसके लिए पहले आवेदन करना होगा। आइए, जानते हैं कि इस योजना में आवेदन करने का प्रोसेस क्या है।

कैसे करें आवेदन

स्टेप 1: आपको पीएम किसान योजना के अधिकारिक पोर्टल (https://pmkisan.gov.in/) पर जाना है।

स्टेप 2: इसके बाद आप न्यू फार्मर रजिस्ट्रेशन के ऑप्शन पर क्लिक करें।

स्टेप 3: अब स्क्रीन पर नया पेज ओपन होगा। यहां आपको सभी जानकारी दर्ज करनी होगी।

स्टेप 4: इसके बाद आपको स्क्रीन पर शो हो रहे कैप्चा कोड भरें और ओटीपी (OTP) को क्लिक करें।

स्टेप 5: अब आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर जो ओटीपी आया है उसे भरें।

स्टेप 6: इस तरह आप पीएम किसान योजना के लिए रजिस्ट्रेशन कर देंगे।

ekyc है जरूरी

भारत सरकार ने पीएम किसान योजना में ई-केवाईसी को अनिवार्य कर दिया है। जिन किसानों ने योजना के लिए रजिस्ट्रेशन कर लिया है उन्हें योजना का लाभ पाने के लिए ई-केवाईसी करवाना होगा। ई-केवाईसी के साथ किसान को जमीन का सत्यापन भी करवाना जरूरी है।

ई-केवाईसी पीएम किसान योजना के पोर्टल के साथ पीएम किसान ऐप के जरिये किया जा सकता है। जिन किसानों ने ई-केवाईसी नहीं किया है, उन्हें योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

NSE ने अपने मुखिया के डीपफेक वीडियो पर निवेशकों को सचेत किया, शेयरों की सिफारिश करते हुए आए थे नजर

परिवहन विशेष न्यूज

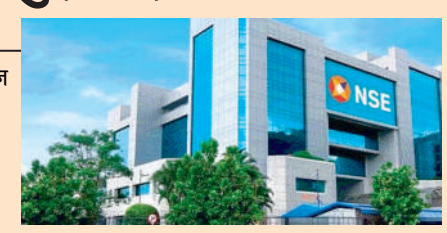

नई दिल्ली। नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशीष कुमार चौहान के उस डीपफेक वीडियो को लेकर निवेशकों को आगाह किया है, जिसमें वह कथित तौर पर कुछ शेयरों की सिफारिश करते हुए नजर आ रहे हैं।

एनएसई ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग कर बनाए गए कुछ निवेश एवं सलाह संबंधी आडियो और वीडियो क्लिप में चौहान के चेहरे एवं आवाज और एनएसई के लोगो का इस्तेमाल किया गया है।

एक्सचेंज ने कहा, 'ऐसा लगता है कि ऐसे वीडियो चौहान की आवाज और चेहरे के भावों की नकल करने के लिए परिष्कृत प्रौद्योगिकी की मदद से बनाए गए हैं।' डीपफेक का आशय आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर किसी व्यक्ति को गलत ढंग से पेश करना है।

देश में पहली बार घटी यूनिकॉर्न की संख्या, चार साल में हुई इतनी; पर दुनिया में भारत अब भी...

परिवहन विशेष न्यूज

रिपोर्ट में कहा गया है कि फूड डिलीवरी प्लेटफार्म स्विगी और फैंटेसी स्पोर्ट्स पर केंद्रित ड्रीम11 भारत के सबसे मूल्यवान यूनिकॉर्न हैं। इनका वैल्यूएशन आठ अरब डालर है। 7.5 अरब डालर के वैल्यूएशन के साथ रेजरपे दूसरे स्थान पर है। स्विगी और ड्रीम11 जहां वैश्विक स्तर पर तैयार की गई सूची में 83वें स्थान पर हैं वहीं रेजरपे 94वें स्थान पर है।

नई दिल्ली। Global Unicorn Index 2024 देश में यूनिकॉर्न (Unicorn) की संख्या चार साल में पहली बार घटकर 67 रह गई है। हालांकि हुरून ग्लोबल यूनिकॉर्न इंडेक्स-2024 के मुताबिक, भारत यूनिकॉर्न के मामले में वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर अभी भी कायम है। एडटेक कंपनी बायजूस (Byjus) यूनिकॉर्न के क्लब से बाहर हो गई है। पिछले साल उसका वैल्यूएशन 22 अरब डालर से अधिक था। वर्तमान में इसका मूल्यांकन एक अरब डालर से कम है। बायजूस के मूल्यांकन में दर्ज गिरावट दुनियाभर के किसी भी स्टार्टअप (Startup) के वैल्यूएशन में सबसे ज्यादा है। जिन स्टार्टअप का वैल्यूएशन एक अरब डालर से ज्यादा होता है, उन्हें यूनिकार्न कहा जाता है।

बायजूस के वैल्यूएशन में गिरावट पर टिप्पणी करते हुए हुरून रिपोर्ट के चेयरमैन और मुख्य शोधकर्ता रूपर्ट हुगेवर्फ ने कहा कि कुछ स्टार्टअप की विफलता वास्तव में मीडिया का ध्यान आकर्षित करती है। हालांकि ऐसी कंपनियां अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं।

ये हैं भारत के सबसे मूल्यवान यूनिकॉर्न

रिपोर्ट में कहा गया है कि फूड डिलीवरी प्लेटफार्म स्विगी और फैंटेसी स्पोर्ट्स पर केंद्रित ड्रीम11 भारत के सबसे मूल्यवान यूनिकॉर्न हैं। इनका वैल्यूएशन आठ अरब डालर है। 7.5 अरब डालर के वैल्यूएशन के साथ रेजरपे दूसरे स्थान पर है। स्विगी और ड्रीम11 जहां वैश्विक स्तर पर तैयार की गई सूची में 83वें स्थान पर हैं वहीं रेजरपे 94वें स्थान पर है।

हुरुन इंडिया के मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा कि यूनिकार्न की सूची में आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस प्लेटफार्म कृत्रिम का भी नाम है। हालांकि अमेरिका से 60 एआइ केंद्रित स्टार्टअप और चीन से 37 स्टार्टअप यूनिकार्न क्लब में शामिल हुए हैं। भारतीयों ने देश के बाहर 109 यूनिकार्न शुरू किए जबकि देश के भीतर उनकी संख्या मात्र 67 है।

मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड में आया 22,633 करोड़ रुपये का निवेश, फरवरी के मुकाबले आई कमी

ज्यादा से ज्यादा निवेश के लिए वर्तमान में कई ऑप्शन मौजूद हैं। इनमें से म्यूचुअल फंड (Mutual Fund) काफी पॉपुलर है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) हर महीने म्यूचुअल फंड के इनफ्लो के आंकड़े जारी करता है। एएमएफआई ने मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड के इनफ्लो के आंकड़े जारी कर दिया है। ताजा आंकड़ों के अनुसार लगातार 37वें महीने से एमएफ में इनफ्लो देखने को मिल रहा है।

नई दिल्ली: इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश एक महीने पहले की तुलना में मार्च में 16 प्रतिशत घटकर 22,633 करोड़ रुपये रहा है। फरवरी में यह 26,866 करोड़ रुपये था। म्यूचुअल फंड कंपनियों के निकाय एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, इक्विटी फंड में शुद्ध प्रवाह का सिलसिला लगातार 37वें महीने यानी मार्च में भी जारी रहा।

ऋण-आधारित म्यूचुअल फंड से निकासी

म्यूचुअल फंड उद्योग ने कुल मिलाकर फरवरी में 1.2 लाख करोड़ रुपये का प्रवाह देखा गया था, जबकि मार्च में 1.6 लाख करोड़ रुपये की बड़ी निकासी हुई। इस निकासी की बड़ी वजह यह रही कि ऋण-आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में 1.98 लाख करोड़ रुपये की निकासी की गई।

स्माल कैप फंड को छोड़कर सभी श्रेणियों की इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश दर्ज किया गया। म्यूचुअल फंड कंपनियों की प्रबंधन-अधीन शुद्ध परिसंपत्तियां पिछले महीने 53.4 लाख करोड़ रुपये रह गईं, जबकि फरवरी के अंत में यह 54.54 लाख करोड़ रुपये थीं।

डेट स्कीम (Debt Scheme) में 1.98 लाख करोड़ रुपये की निकासी के कारण भारी निकासी हुई।

इक्विटी-उन्मुख योजनाओं में मार्च में 22,633 करोड़ रुपये का बहिर्वाह देखा गया, जबकि फरवरी में यह 26,866 करोड़ रुपये था। स्मॉल कैप फंडों को छोड़कर जिसमें 94 करोड़ रुपये का बहिर्वाह देखा गया। बाकी सभी श्रेणियों में इक्विटी सेगमेंट में प्रवाह का अनुभव हुआ।

वृक्षारोपण जैसी पर्यावरणीय गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण

एक दिन
तुम्हारे ही कर्म तुमसे मिलने आएँगे,
बस उस दिन
तुम हैरान ना होना !!

पेड़ भेदभाव नहीं करते; वे सभी को अपना लाभ प्रदान करते हैं। फिर भी, पेड़ों के प्रति समाज का व्यवहार अक्सर सहानुभूति और देखभाल की कमी को दर्शाता है। इस अंतर को पाटना और विशेषकर युवा पीढ़ी में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करना अत्यावश्यक है। वर्तमान युग में प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित कृत्रिम जीवन शैली में वृद्धि देखी जा रही है, जिससे प्राकृतिक दुनिया से अलगाव हो रहा है। इसका मुकाबला करने के लिए, वृक्षारोपण जैसी पर्यावरणीय गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। ऐसी पहलों में बच्चों और युवाओं को शामिल करने से एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित होता है जहां वे कृत्रिम निर्माणों से परे प्रकृति के मूल्य को समझते हैं। आइए आज बदलाव के बीज बोएं, युवाओं को एक हरित कल के लिए सशक्त बनाएं, क्योंकि हमारे पारिस्थितिकी तंत्र का भविष्य उनके हाथों में है।

आधुनिक सौंदर्यशास्त्र और सुविधा की खोज में, एक चिंताजनक प्रवृत्ति उभरी है, प्राकृतिक हरित आवरण की तुलना में कृत्रिम हरे रंगों को प्राथमिकता देना। त्वरित समाधान और अस्थायी समाधान की इच्छा से प्रेरित होकर, कई व्यक्ति प्रामाणिक हरियाली के पोषण में समय और प्रयास लगाने के बजाय, अपने रहने की जगह को सजाने के लिए हरे पर्दे और अन्य कृत्रिम सजावट का विकल्प चुन रहे हैं।

मानसिकता में इस बदलाव का हमारे पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। जबकि कृत्रिम हरियाली तत्काल दृश्य अपील और सुविधा प्रदान कर सकती है, लेकिन इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ती है। टिकाऊ प्रथाओं पर अस्थायी समाधानों को प्राथमिकता देकर, हम पर्यावरणीय गिरावट और जैव विविधता के नुकसान के चक्र को कायम रख रहे हैं।

कृत्रिम हरे रंगों का आकर्षण उनके कम रखरखाव और तात्कालिक संतुष्टि में निहित है। आज की तेज़-तर्रार दुनिया में, जहां समय सबसे महत्वपूर्ण है, बहुत से लोग न्यूनतम प्रयास के साथ अपने परिवेश को सहजता से बेहतर बनाने के विचार की ओर आकर्षित होते हैं। हालाँकि, यह सुविधा एक छुपे हुए मूल्य टैग के साथ आती है। प्राकृतिक हरित आवरण पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पेड़-पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और हवा से प्रदूषकों को फ़िल्टर करते हैं, बल्कि विविध पारिस्थितिक तंत्र और वन्यजीव आवासों का भी समर्थन करते हैं।

कृत्रिम विकल्पों को चुनकर, हम अपने पर्यावरण को इन आवश्यक लाभों से वंचित कर रहे हैं और अपने ग्रह के स्वास्थ्य को खतरे में डाल रहे हैं। इसके अलावा, सौंदर्यीकरण के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से प्राकृतिक हरे रंग का नुकसान और बढ़ गया है। शहरी विकास और आधुनिकीकरण की हमारी निरंतर खोज में, हम अपनी प्राकृतिक विरासत के सार का त्याग करने का जोखिम उठाते हैं। इस अदूरदर्शी दृष्टिकोण के परिणाम दूरगामी और अपरिवर्तनीय हैं।

प्राकृतिक और कृत्रिम हरे रंगों के बीच

चुनाव केवल व्यक्तिगत पसंद का मामला नहीं है बल्कि एक सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें अपने कार्यों के दीर्घकालिक प्रभावों को पहचानना चाहिए और सुविधा से अधिक स्थिरता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

प्राकृतिक हरित आवरण के स्थान पर कृत्रिम हरियाली को बढ़ावा देने की नई प्रवृत्ति चिंता का कारण है। हालांकि यह अस्थायी समाधान और सौंदर्य अपील प्रदान कर सकता है, यह हमारे पर्यावरण और भविष्य की भलाई की कीमत पर आता है। यह जरूरी है कि हम अपनी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करें और उन प्रथाओं में निवेश करें जो हमारी प्राकृतिक विरासत की वास्तविक स्थिरता और संरक्षण को बढ़ावा देती हैं। चुनाव हमें करना है - क्या हम कृत्रिमता के रास्ते पर चलते रहेंगे, या हम हरे रंग के असली रंगों को अपनाएंगे?

ओड़िशा में डबल इंजन सरकार होगा : देबाशीष नायक

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेश्वर : जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे राजनीतिक पार्टियां चुनाव की तैयारी में जुट गयी हैं. इस समय बीजेपी नेता और पूर्व मंत्री देबाशिस नायक ने बीजू जनता दल की कड़ी आलोचना की है । उन्होंने कहा, ओडिशा में डबल इंजन की सरकार बनेगी, राज्य का विकास होगा । ओडिशा में बीजेपी सभी 21 लोकसभा सीटें जीतेगी ।देबाशीष ने आगे कहा, मिंट के लिए बीजेपी नहीं बल्कि बिजेड़ी पीछा कर रहा था। नवीन बाबू, उड़िया लोगों को उल्टा मत लीजिए। अगर सरकार नहीं चला सकते तो रिटायर हो जाएं । 25 साल तक मुख्यमंत्री रहने के बाद अब रिटायर हो जाइये नवीन बाबू ।

भीलवाड़ा की नीलम शर्मा गुजरात राज्य की महिला प्रकोष्ठ प्रभारी नियुक्त

शर्मा वर्तमान में युवा ब्रह्मशक्ति मेवाड़ राजस्थान की महिला प्रदेशाध्यक्ष भी हैं

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। युवा ब्रह्मशक्ति मेवाड़ संस्थान ने महिला प्रकोष्ठ में एक पद की और बढ़ोतरी करते हुए भीलवाड़ा निवासी नीलम शर्मा को युवा ब्रह्मशक्ति संस्थान गुजरात की महिला प्रकोष्ठ प्रभारी नियुक्त किया हैं।

युवा ब्रह्मशक्ति मेवाड़ संस्थान के राष्ट्रीय प्रचारक डॉक्टर शशिकांत शर्मा ने जानकारी देकर बताया की भीलवाड़ा गांधी नगर स्थित निम्बार्क आश्रम के महंत एवं युवा ब्रम्हशक्ति मेवाड़ संस्थान के राष्ट्रीय संरक्षक महंत मोहन शरण शास्त्री के निर्देशानुसार एवं संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पुरोहित की अनुशंसा पर नीलम शर्मा को गुजरात राज्य की महिला प्रकोष्ठ प्रभारी नियुक्त किया हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पुरोहित ने नीलम शर्मा से पूर्व की भांति सक्रिय योगदान देकर संगठन को अनवरत बढ़ाते रहने और मजबूत बनाने के लिए निर्देश दिए।नीलम शर्मा के गुजरात राज्य की महिला प्रकोष्ठ प्रभारी बनाये जाने पर मातृशक्तियों के साथ ही समाज के अन्य जनों और इस्टमित्रों से बधाइयां भी मिल रही हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी ने दी ईद की शुभकामनाएं, कहा- एकजुटता और शांति की भावना फैलाए यह त्योहार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी (PM Modi) ने बुधवार शाम देशवासियों को ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति मुर्मु ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार रमजान के पवित्र माह में उपवास और प्रार्थना की अवधि के समापन का प्रतीक है और प्रेम और भाईचारे का संदेश देता है । ईद गरीबों व वंचित लोगों की मदद करने व उनके साथ अपनी खुशियां साझा करने का अवसर है।

दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार शाम देशवासियों को ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने प्रार्थना की कि यह त्योहार करुणा, एकजुटता और शांति की भावना फैलाए। केरल और लद्दाख में बुधवार को ईद मनाई गई। वहीं, देश के बाकी हिस्सों में यह त्योहार गुरुवार को मनाया जाएगा।

राष्ट्रपति मुर्मु ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार रमजान के पवित्र माह में उपवास और प्रार्थना की अवधि के समापन का प्रतीक है और प्रेम और भाईचारे का संदेश देता है। यह त्योहार एकता, क्षमा और दान को बढ़ावा देता है। ईद गरीबों व वंचित लोगों की मदद करने व उनके साथ अपनी खुशियां साझा करने का अवसर है। यह त्योहार हमें शांतिपूर्ण जीवन जीने और समाज की उन्नति के लिए काम करने के लिए प्रेरित करता है।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू को भी पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मालदीव के राष्ट्रपति डॉ मोहम्मद मुइज्जू को ईद की बधाई दी। इस दौरान उन्होंने पुराने समय से चले आ रहे दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों पर भी प्रकाश डाला। पीएम मोदी ने कहा कि पारंपरिक उत्साह के साथ मनाए जाने वाला ईद-उल-फित्र दुनिया भर के लोगों को करुणा, भाईचारे और एकजुटता के मूल्यों की याद दिलाता है।

एसएसटी टीम की कार्रवाई- पांच लाख रूपए किए जब्त

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा। सहायक रिटर्निंग अधिकारी (एसडीएम), निरमा बिश्नोई ने बताया कि आज दिनांक 10 अप्रेल को लोकसभा आम चुनाव 2024 के तहत शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र की एसएसटी टीम द्वारा पांच लाख की नगदी जब्त की गई। शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस थाना शाहपुरा के बाहर स्थित एसएसटी चैक पोस्ट पर एसएसटी प्रभारी श्री द्वारका प्रसाद जोशी एवं उनकी टीम द्वारा वाहनों की तलाशी ली जा रही थी, इस दौरान शाहपुरा से भीलवाडा की ओर जा रही वाहन संख्या RJ 06 CE 3588 की तलाशी ली गई, वाहन मालिक शिवराज सुथार निवासी कादीसहना, शाहपुरा के पास पांच लाख की राशि पाई गई। संतोषप्रद जवाब न देने के कारण निर्वाचन विभाग से सुनील सुखववाल व संजय कुमार मीणा मौके पर पहुंचे एवं जब्ती की कार्रवाई पूर्ण करवाई। सहायक रिटर्निंग अधिकारी निरमा बिश्नाई ने बताया कि जब्त की गई राशि निर्धारित प्रक्रिया अनुसार कोष कार्यालय शाहपुरा में जमा करा दी गई है। संबंधित व्यक्ति को यह भी जानकारी दी गई कि भीलवाडा स्थित जिला शिकायत समिति के समक्ष उचित साक्ष्य प्रस्तुत कर सात दिवस के भीतर राशि प्राप्त कर सकता है।

सीएए पर लोगों को किया जा रहा गुमराह, अमित शाह बोले- आवेदन भरें, सभी को नागरिकता दी जाएगी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को बंगाल और बिहार में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। गृह मंत्री की पहली सभा बंगाल के बालुरघाट में भाजपा उम्मीदवार सुकांत मजूमदार के समर्थन में हुई। यहां गृह मंत्री ने कहा कि बंगाल में अवैध तरीके से घुसपैठ जारी है। ममता दीदी इसे नहीं रोकेंगी क्योंकि घुसपैठिए उनका वोट बैंक हैं । भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल में घुसपैठ रोकी जाएगी।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को बंगाल और बिहार में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। बंगाल में उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा तो बिहार में कहा कि नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दीजिए, दुनिया में भारत के अर्थतंत्र को तीसरे नंबर पर पहुंचा देंगे।

गृह मंत्री की पहली सभा बंगाल के बालुरघाट में भाजपा उम्मीदवार सुकांत मजूमदार के समर्थन में हुई। यहां गृह मंत्री ने कहा कि बंगाल में अवैध तरीके से घुसपैठ जारी है। ममता दीदी इसे नहीं रोकेंगी क्योंकि घुसपैठिए उनका वोट बैंक हैं। भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल में घुसपैठ रोकी जाएगी। हमने असम में घुसपैठ रोकी।

ममता दीदी, आप तो महिला मुख्यमंत्री हैं

संदेशखाली कांड पर उन्होंने कहा कि ममता दीदी, आप तो महिला मुख्यमंत्री हैं, फिर भी संदेशखाली जैसी शर्मनाक घटना पर आप राजनीति कर रही हैं। आपकी नाक के नीचे अत्याचार होता रहा और जब टीएमसी के गुंडों को ईडी पकड़ने गई तब उन पर हमला-पथराव किया गया। वोट के लिए संदेशखाली के गुनहगारों को बचा रही हैं।

'मैं आपको मोदी की गारंटी देने आया हूं'

गृह मंत्री शाह ने भीड़ से कहा कि मैं आपको मोदी की गारंटी देने आया हूं। कम्युनिस्ट पार्टियां और तृणमूल कांग्रेस इस क्षेत्र में गरीबी के लिए जिम्मेदार हैं। 2014 में बंगाल की जनता ने हमें केवल दो सीटें दी और फिर 2019 में 18 सीटें दीं। 2024 में हमें 30 सीटें दें, हमें मजबूत बंगाल भी बनाना होगा। सीएए पर जनता को गुमराह कर रहीं ममता : उन्होंने कहा कि ममता सीएए को लेकर बंगाल के लोगों को गुमराह कर रही हैं। वह कहती हैं कि अगर आवेदन दिया तो आपकी नागरिकता चली जाएगी। मैं आपसे कहने आया हूं कि बिना डरे जितने भी शरणार्थी हैं, आवेदन भरें, सभी को नागरिकता दी जाएगी। हमारा वादा है।

बंगाल के लोगों को नहीं मिल रहा इसका लाभ

शाह ने कहा कि बंगाल के लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ममता ने इसे लागू ही नहीं किया है। कांग्रेस, टीएमसी और कम्युनिस्ट पार्टी वाले 70 वर्षों से राम मंदिर को लटका रहे थे। मोदी सरकार आई तो राम मंदिर मुद्दे का फैसला भी आ गया, भूमि पूजन हो गया और राम मंदिर का निर्माण भी हो गया। 500 साल बाद, रामलला अपने भव्य मंदिर में रामनवमी को अपना जन्मदिन मनाएंगे।

तीसरी बार बनाएं देश का प्रधानमंत्री

बिहार के औरंगाबाद संसदीय क्षेत्र के गया जिले में अमित शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बना दीजिए, दुनिया में भारत के अर्थतंत्र को तीसरे नंबर पर पहुंचा देंगे। विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस के सांसद देश के टुकड़े करने की बात करते हैं और राहुल, सोनिया गांधी इस पर चुप्पी साध लेते हैं। कांग्रेस और राजद समेत इंडी अलायंस कि पार्टियां केवल भ्रष्टाचार कर सकते हैं और जंगलराज दे सकते हैं, लेकिन देश का विकास नहीं कर सकते हैं।

कांग्रेस और राजद ने 12 लाख करोड़ का भ्रष्टाचार किया

कांग्रेस और राजद ने 12 लाख करोड़ का भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने कहा कि 23 साल से मोदी मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री हैं, चार आने के भ्रष्टाचार का आरोप कोई नहीं लगा सका है।

प्रजापति नवयुवक संस्थान द्वारा मां श्री श्री यादें की पूजा

परिवहन विशेष न्यूज, अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। प्रजापति नवयुवक संस्थान देवनारायण सर्कल पटेल नगर स्थित प्रजापति नवयुवक संस्थान/छात्रावास पर आज हिंदू नववर्ष की संध्या पर प्रजापति नवयुवक संस्थान द्वारा श्री श्री यादे माता जी की चमत्कारिक तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन कर आरती की गई, पूजा अर्चना के बाद सभी ने एक दूसरे को हिन्दू नववर्ष की बधाइयां दी।

संस्थान के सभी पदाधिकारी ने एक ही स्वर में मां श्रीयादे से प्रजापति नवयुवक संस्थान एवं प्रजापति समाज की खुशहाली कि कामना की।

इस मौके पर संस्थान संस्थापक सुखदेव प्रजापति, वरिष्ठ उपाध्यक्ष तेजू राम प्रजापति, कैलाश प्रजापति, प्रहलाद प्रजापति, कैलाश प्रजापति जैतगढ़, पारसमल प्रजापति, डालूराम प्रजापति, डॉ. हनुमान प्रजापति, राधेश्याम प्रजापति, कल्याणमल प्रजापति, शांतिलाल प्रजापति, अशोक प्रजापति, हेमराज प्रजापति आदि उपस्थित थे।

'भारतीय सभ्यता सबसे पुरानी', NSA डोभाल बोले- आलोचक भी नहीं उठा सकते कोई सवाल

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने मंगलवार को कहा कि भारतीय सभ्यता सबसे पुरानी और निरंतर सभ्यताओं में से एक है और इसका विस्तार भी विशाल है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद का गठन उन लोगों द्वारा किया जाता है जो अपने इतिहास की सामान्य समझ और अपने भविष्य की सामान्य दृष्टि साझा करते हैं। इसके अलावा उन्होंने अलेक्जेंडर की भारत यात्रा का भी जिक्र किया।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने मंगलवार को कहा कि भारतीय सभ्यता सबसे पुरानी और निरंतर सभ्यताओं में से एक है और इसका विस्तार भी विशाल है। साथ ही कहा कि अपने इतिहास का समान बोध तथा अपने भविष्य की समान दृष्टि रखने वाले लोग राष्ट्रीयता का निर्माण करते हैं। डोभाल नई दिल्ली में विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन (VIF) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

अजीत डोभाल ने क्या कुछ कहा?

उन्होंने कहा कि देश के इतिहास को लेकर किसी ने कोई सवाल नहीं उठाया है और न ही उठा सकता है, यहां तक कि भारत के आलोचक भी नहीं। पहली है इसकी प्राचीनता। यह सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है और शायद मानव जीवन विकसित हो चुका था और समाज ने खुद को बहुत ऊपर तक परिपूर्ण कर लिया था। अब, यह किसने किया? क्या वे मूल लोग थे या वे बाहर से आए थे, वे इसके बारे में तो पक्षपाती हो सकते हैं, लेकिन वे सभी मानते हैं कि यह प्राचीन सभ्यता है।

डोभाल ने भारतीय सभ्यता की दूसरी विशेषता इसकी निरंतरता बताई। उन्होंने कहा, अगर इसकी शुरुआत 4000 या 5000 साल पहले हुई तो यह आज तक लगातार जारी है। उसमें कोई रुकावट नहीं है। तीसरी विशेषता इसका विशाल विस्तार है। यह कोई छोटा-मोटा गांव नहीं थी, जो आपको किसी विकसित द्वीप या उस जैसी किसी जगह पर मिलती हो।

डोभाल ने अलेक्जेंडर की भारत यात्रा का किया उल्लेख

उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद का गठन उन लोगों द्वारा किया जाता है, जो अपने इतिहास की सामान्य समझ और अपने भविष्य की सामान्य दृष्टि साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को इतिहास की अलग-अलग समझ है यानी अगर मेरा नायक आपका खलनायक है तो आप और मैं एक राष्ट्र नहीं बना सकते। इसके अलावा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अलेक्जेंडर की भारत यात्रा भारतीय इतिहास में एक घटना नहीं थी, बल्कि पश्चिमी इतिहास के लिए एक महत्वपूर्ण घटना थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023